परीक्षा पे चर्चा 2024

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

PARIKSHA PE CHARCHA

शाला ध्वनि
KVS News

विशेषांक

जनवरी-2024

PPC 2024: परीक्षार्थियों के लिए मा. प्रधानमंत्री के प्रमुख सुझाव

- हमें किसी भी प्रकार के दबाव को झेलने के लिए अपने बच्चों को सामर्थ्यवान बनाना चाहिए और उन्हें दबावों से मुकाबला करने में मदद करनी चाहिए।
- छात्रों की चुनौतियों का समाधान अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों को भी सामूहिक रूप से करना चाहिए।
- स्वस्थ प्रतिस्पर्धा छात्रों के विकास के लिए शुभ संकेत है।
- शिक्षक नौकरी की भूमिका में नहीं हैं बल्कि वे छात्रों का जीवन संवारने की जिम्मेदारी निभाते हैं।
- माता-पिता को अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को उनका विजिटिंग कार्ड नहीं बनाना चाहिए।
- छात्रों और शिक्षकों के बीच का नाता केवल परीक्षा के कालखंड का नहीं, बल्कि पहले दिन से ही प्रगाढ़ होना चाहिए।
- अपने बच्चों के बीच कभी प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के बीज न बोएं, बल्कि भाई-बहन एक-दूसरे के लिए प्रेरणा स्रोत बनें।
- अपने सभी कार्यों और अध्ययन में प्रतिबद्ध और निर्णायक बनने का प्रयास करें।
- रोजाना खुद अपनी नोटबुक में कुछ न कुछ जरूर लिखें। यदि आपके पास वह अभ्यास है, तो परीक्षा हॉल का अधिकांश तनाव दूर हो जाएगा।
- प्रौद्योगिकी को बोझ नहीं बनाना चाहिए। इसका विवेकपूर्ण उपयोग करें।
- सही समय जैसी कोई चीज नहीं है, इसलिए उसका इंतजार न करें। चुनौतियाँ आती रहेंगी, और आपको उन चुनौतियों को चुनौती देनी होगी।
- यदि लाखों चुनौतियाँ हैं, तो अरबों समाधान भी हैं।
- असफलताओं से निराशा नहीं होनी चाहिए। हर गलती एक नई सीख है।
- जितना मैं अपने देशवासियों की क्षमताएं बढ़ाता हूं, चुनौतियों को चुनौती देने की मेरी क्षमता बढ़ती है।
- उचित शासन के लिए भी नीचे से ऊपर तक उत्तम सूचना की व्यवस्था और ऊपर से नीचे तक उत्तम मार्गदर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए।
- मैंने अपने जीवन में निराशा के सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दी हैं।
- जब कोई स्वार्थ न हो तो निर्णय में कभी भ्रम नहीं होता।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

शाला ध्वनि

विशेषांक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.), नई दिल्ली

Kendriya Vidyalaya Sangathan (HQ), New Delhi

© Kendriya Vidyalaya Sangathan

Shaala Dhwani Newsletter

Special Issue based on Pariksha Pe Charcha 2024

Patron: Nidhi Pandey, Commissioner, KVS

Editor: Ajeeta Longjam, Joint Commissioner (Admin-1), KVS

Editorial In-charge: Sachin Rathore, Assistant Editor, KVS

Designed by: Publication Section, KVS (HQ)

Published by NR Murali, Additional Commissioner (Acad) on behalf of Kendriya Vidyalaya Sangathan.

Readers can send their comments and suggestions through e-mail at: shaaladhwani@gmail.com

---

INDEX

S. No.	Title	Page No.
1.	PPC 2024: परीक्षार्थियों के लिए मा. प्रधानमंत्री के प्रमुख सुझाव	2
2.	"परीक्षा पे चर्चा 2024 2024" परीक्षा, पढ़ाई, और तनाव पर प्रधानमंत्री के सुझाव	7-17
3.	Bharat Mandapam: PPCs 7th Edition Venue	18
4.	Kendriya Vidyalaya Anchor Students Shine Alongside PM 'Pariksha Pe Charcha'	19-23
5.	A Glimpse of Honorable Prime Minister with Students	24-25
6.	PPC Anthem	26-27
7.	**लेख**	28
8.	निराशा को त्याग हर चुनौती को चुनौती दें	29
9.	परीक्षा के योद्धाओं को मा. प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन	30
10.	चिन्ता छोड़ो और योद्धा बनो	32
11.	छात्रों को तनाव से मुक्ति का मंत्र	33
12.	हर चुनौती को अपनाओ	35
13.	परीक्षा पे र्चचा: शिक्षा व्यवस्था में सुधार का महत्वपूर्ण मंच	37
14.	परीक्षाएँ: एक चिंता या त्योहार?	38
15.	परीक्षा पर र्चचा कार्यक्रम और हम पर उसका प्रभाव	40
16.	परीक्षा एक पर्व है	42
17.	परीक्षा के मंत्र	43
18.	परीक्षा: एक अवसर	45
19.	परीक्षा प चे र्चचा कार्यक्रम के लाभ	46
20.	छात्रों के जीवन मे नया मंच	48
21.	परीक्षा: जीवन को परखने की कुंजी	50
22.	प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण सीख	51
23.	परीक्षा: एक उत्सव	53
24.	**कविताएं**	55
25.	परीक्षा का स्वागत	56
26.	एक दिन जरूर होगा सफलता से सामना	57
27.	हुई परीक्षा पर चर्चा	58
28.	फिर से ये आ गया परीक्षा परीक्षा का त्यौहार	59
29.	कभी सरल कभी तरल परीक्षा	60
30.	परीक्षा	61
31.	मोदी जी की सीख	62
31.	परीक्षा के डर को हम दूर भगाएंगे	63
32.	परीक्षा के दबाव में है हृदय बेहद बेचैन	64
33.	करो एक नई शरुआत	65
34.	जब परीक्षा हो सर पे	66
35.	परीक्षा पे चर्चा: अनुभव की वर्षा	67
36.	हाय रे! परीक्षा	68
37.	परीक्षा से नई ऊंचाइयों तक	69
38.	परीक्षा: एक चुनौती	70

39.	परीक्षा पर्व	71
40.	परीक्षा पे चर्चा: एक नई सोच	72
41.	जिंदगी का हिस्सा परीक्षा	73
42.	मंजिल	74
43.	मोदी जी ने, बच्चें की परेशानी	75
44.	मोदी सर की क्लास-2024	76
45.	प्रधानमंत्री का संदेश सुनो	77
46.	मेरे सपनों का भारत	78
47.	**Articles**	79
48.	My Thoughts on 'Pariksha Pe Charcha'	80
49.	It Is Crucial to Instill Resilience In Our Children And Help Them Cope With Pressures	81
50.	PPC: A Guiding Light For Indian Youth	82
51.	Pariksha Pe Charcha 2024: Guiding Students Towards Success	84
52.	Pariksha Pe Charcha: A Initiative to Alleviate Exam Stress	85
53.	Pariksha Pe Charcha Leads The Strees-Free Way	87
54.	Embrace Your Inner Warrior	88
55.	Exam Warriors: Celebrating Exams As Festivals, Stress-Free Preparation For Success	90
56.	Prime Minister Modi's 3 Key Lessons for Student Success	91
57.	Compete With Yourself, Not With Your Friends	93
58.	My Experience with Pariksha Pe Charcha	94
59.	Failures Must Not Cause Disappointment, Every Mistake Is A New Learning	95
60.	**Poems**	97
61.	A Tale of Determination and Growth	98
62.	Navigating Exams Through Pariksha Pe Charcha	99
63.	Exams Have Arrived	101
64.	"Pariksha Pe Charcha" a Beacon Bright	102
65.	Conquer Your Fears	104
66.	Our Favourite PPC	105
67.	A Time to Rejoice	107
68.	Rise And Shine	108
69.	You and Only You	110
70.	The Story of Exams	111
71.	Exam is a Joy	112
72.	Exam is a Celebration	113
73.	PPC: Positive Energy Filler	114
74.	In the Light of Learning	115
75.	New Times, New Ways	116
76.	Thousands Creativity Unleash in Parakram Diwas Painting Contest	117
77.	KVS Painting Competition Garners Media Spotlight	118-112
78.	PPC 2024: Hon'ble Prime Minister's Top Tips for Exam Warriors	123

"परीक्षा पे चर्चा 2024"
परीक्षा, पढ़ाई, और तनाव पर प्रधानमंत्री के सुझाव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के 7वें संस्करण के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। उन्होंने इस अवसर पर प्रदर्शित कला और शिल्प प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। पीपीसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से शुरू की गई एक गतिविधि है जो विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को एकजुट कर एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देती है जहां प्रत्येक बच्चे की अद्वितीय व्यक्तित्व की सराहना की जा सके, उसे प्रोत्साहित किया जाए और खुद को पूरी तरह से व्यक्त करने की अनुमति दी जाए।

विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रचनाओं का उल्लेख किया,जहां उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसी आकांक्षाओं और अवधारणाओं को विभिन्न आकारों में व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शित वस्तुएं दर्शाती हैं कि नई पीढ़ियां विभिन्न विषयों के बारे में क्या सोचती हैं और इन मुद्दों के लिए उनके पास क्या समाधान हैं।

अपनी बातचीत शुरू करते हुए, प्रधानमंत्री ने छात्रों को आयोजन स्थल यानी भारत मंडपम के महत्व को समझाया और उन्हें जी20 शिखर सम्मेलन के बारे में बताया जहां दुनिया के सभी प्रमुख नेता इकट्ठे हुए और दुनिया के भविष्य पर चर्चा की।

बाहरी दबाव और तनाव

ओमान के एक निजी सीबीएसई स्कूल के दानिया शाबू और दिल्ली में बुराड़ी स्थित सरकारी सर्वोदय बाल विद्यालय के मोहम्मद अर्शने छात्रों पर अतिरिक्त दबाव डालने वाली सांस्कृतिक और सामाजिक अपेक्षाओं जैसे बाहरी कारकों के समाधान का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीपीसी में सांस्कृतिक और सामाजिक अपेक्षाओं से संबंधित प्रश्न हमेशा उठते रहे हैं, भले ही यह 7वां संस्करण है। उन्होंने छात्रों पर बाहरी कारकों के अतिरिक्त दबाव के प्रभाव को कम करने में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला और यह भी बताया कि माता-पिता ने समय-समय पर इसका अनुभव किया है। उन्होंने खुद को दबाव से निपटने में सक्षम बनाने और जीवन के एक हिस्से के रूप में इसके लिए तैयारी करने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने छात्रों से एक अप्रत्याशित, असामान्य मौसम से दूसरे ऐसे अप्रत्याशित मौसम तक यात्रा करने का उदाहरण देकर उनसे स्वयं को असामान्य मौसम का मुकाबला करने के लिए मानसिक रूप से तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने तनाव के स्तर का आकलन करने और इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर आगे बढ़ने का भी सुझाव दिया ताकि छात्र की क्षमता इससे प्रभावित न हो। श्री मोदी ने छात्रों, परिवारों और शिक्षकों से एक व्यवस्थित सिद्धांत को लागू करने के बजाय प्रक्रिया विकसित करते हुए सामूहिक रूप से बाहरी तनाव के मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि छात्रों के परिवारों को ऐसे विभिन्न तरीकों पर चर्चा करनी चाहिए जो उनमें से प्रत्येक के लिए काम करें।

साथियों का दबाव और दोस्तों के बीच प्रतिस्पर्धा

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के गवर्नमेंट डिमॉन्सट्रेशन मल्टीपरपज स्कूल की भाग्य लक्ष्मी, गुजरात के जेएनवी पंचमहल की दृष्टि चौहान और केन्द्रीय विद्यालय, कालीकट, केरल की स्वाति दिलीप द्वारा उठाए गए साथियों के दबाव और दोस्तों के बीच प्रतिस्पर्धा के मुद्दे का समाधान करते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डाला। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अक्सर अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा के बीज परिवारों में बोए जाते हैं, जिससे भाई-बहनों के बीच विकृत प्रतिस्पर्धा पैदा होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों के बीच तुलना से बचें। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो का उदाहरण दिया जहां बच्चे स्वस्थ तरीके से प्रतिस्पर्धा करते हुए एक-दूसरे की मदद करने को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना कोई शून्य-संचय खेल नहीं है। प्रतिस्पर्धा स्वयं से होती है क्योंकि किसी मित्र द्वारा अच्छा प्रदर्शन मैदान में उतरने से नहीं रोकता। प्रधानमंत्री ने कहा, यह प्रवृत्ति उन लोगों से मित्रता करने की प्रवृत्ति को जन्म दे सकती है जो प्रेरक मित्र नहीं होंगे। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि वे अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से न करें। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि वे अपने बच्चों की उपलब्धि को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से अपने दोस्तों की सफलता पर खुशी मनाने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, "दोस्ती कोई लेन-देन वाली भावना नहीं है।"

छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका

छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने जेडपी हाई स्कूल, उप्पारापल्ली, आंध्र प्रदेश के संगीत शिक्षक श्री कोंडाकांची संपत राव और शिवसागर असम के शिक्षक बंटी मेडी के सवालों के जवाब दिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि संगीत में उन छात्रों के तनाव को दूर करने की क्षमता है जो न केवल एक कक्षा के बल्कि पूरे स्कूल के हैं। श्री मोदी ने कक्षा के पहले दिन से लेकर परीक्षा के समय तक छात्र और शिक्षक के बीच जुड़ाव को धीरे-धीरे बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि इससे परीक्षा के दौरान तनाव पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से यह भी आग्रह किया कि वे पढ़ाए गए विषयों के आधार पर छात्रों से जुड़ने के बजाय उनके लिए अधिक सुलभ बनें। उन डॉक्टरों का उदाहरण देते हुए, जिनका अपने मरीजों के साथ व्यक्तिगत संबंध होता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा बंधन आधे इलाज के समान होता है। उन्होंने परिवारों के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव विकसित करने और छात्र की उपलब्धियों की परिवार के सामने सराहना करने का भी सुझाव दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "शिक्षक नौकरी की भूमिका में नहीं हैं बल्कि वे छात्रों के जीवन को संवारने की जिम्मेदारी निभाते हैं।"

परीक्षा के तनाव से मुकाबला

प्रणवंदा विद्या मंदिर, पश्चिम त्रिपुरा की अद्रिता चक्रवर्ती, जवाहर नवोदय विद्यालय, बस्तर, छत्तीसगढ़ के छात्र शेख तैफुर रहमान और आदर्श विद्यालय, कटक, ओडिशा की छात्रा राज्यलक्ष्मी आचार्य ने प्रधानमंत्री से परीक्षा के तनाव से मुकाबला करने के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री ने अभिभावकों के अति उत्साह या छात्रों की अत्यधिक नेकनीयती के कारण होने वाली गलतियों से बचने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वे परीक्षा के दिन को नए कपड़ों, रीति-रिवाजों या स्टेशनरी के नाम पर बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। उन्होंने छात्रों से अंतिम क्षण तक तैयारी न करने और शांत मानसिकता के साथ परीक्षा देने और किसी भी बाहरी विध्वंस से बचने के लिए कहा जो अवांछित तनाव का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री ने प्रश्न पत्र पढ़ने और उन्हें अंतिम समय में घबराहट से बचने के लिए समय आवंटित करने की योजना बनाने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने छात्रों को याद दिलाया कि अधिकांश परीक्षाएं अभी भी लिखित होती हैं और कंप्यूटर और फोन के कारण लिखने की आदत कम हो रही है। उन्होंने उनसे लिखने की आदत बनाए रखने को कहा। उन्होंने उनसे अपने पढ़ने/पढ़ने के समय का 50 प्रतिशत लिखने में समर्पित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जब आप कुछ लिखते हैं तभी आप उसे सही मायने में समझते हैं। उन्होंने उनसे अन्य छात्रों की गति से नहीं घबराने को कहा।

स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखना

परीक्षा की तैयारी और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने का मुद्दा उठाते हुए, राजस्थान के सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र धीरज सुभाष, कारगिल, लद्दाख में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा नजमा खातून और अभिषेक कुमार तिवारी तथा अरूणाचल प्रदेश में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ठोबी लहमे के एक शिक्षक ने प्रधानमंत्री से व्यायाम के साथ-साथ पढ़ाई करने के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री ने शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल की आवश्यकता को दर्शाने के लिए मोबाइल फोन रिचार्ज करने की आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने संतुलित जीवनशैली बनाए रखने और हर चीज की अति से बचने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग के लिए महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए कुछ दिनचर्या की आवश्यकता होती है और धूप में समय बिताने तथा नियमित और पूरी नींद लेने के बारे में सवाल किया। उन्होंने बताया कि स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद को ख़त्म कर रही हैं जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान बहुत महत्वपूर्ण मानता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने निजी जीवन में भी बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर गहरी नींद में जाने की व्यवस्था बना रखी है। उन्होंने कहा, "जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद, एक संतुलन है जिसे हासिल किया जा सकता है।" पोषण के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने संतुलित आहार पर जोर दिया। उन्होंने फिटनेस के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक कार्यों के महत्व पर भी जोर दिया।

करियर की प्रगति

केन्द्रीय विद्यालय, बैरकपुर, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल की मधुमिता मलिक और हरियाणा के पानीपत में द मिलेनियम स्कूल की अदिति तंवर द्वारा उठाए गए एक मुद्दे, करियर की प्रगति पर जानकारी देते हुए, प्रधानमंत्री ने करियर के रास्ते में स्पष्टता प्राप्त करने और भ्रम और अनिर्णय से बचने का सुझाव दिया। स्वच्छता और इसके पीछे प्रधानमंत्री के संकल्प का उदाहरण देते हुए पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि 'स्वच्छता'देश में प्राथमिकता वाला क्षेत्र बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत का बाजार पिछले 10 वर्षों में कला और संस्कृति क्षेत्र में 250 गुना बढ़ गया है। "अगर हममें क्षमता है तो हम किसी भी जगह अधिक ऊर्जावान हो सकते हैं",प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से खुद को कम न आंकने का आग्रह करते हुए कहा, "अगर हमारे पास क्षमता है, तो हम कुछ भी कर सकते हैं।" उन्होंने पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ने का भी सुझाव दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में, प्रधानमंत्री ने एक धारा से बंधे रहने के बजाय विभिन्न पाठ्यक्रमों को अपनाने के प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी में छात्रों की भागीदारी, कौशल और समर्पण की सराहना की और जोर देकर कहा कि सरकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए उनके द्वारा किया गया कार्य भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तुलना में काफी बेहतर है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक रेस्तरां में खाना ऑर्डर करने का उदाहरण देते हुए कहा, "भ्रम को खत्म करने के लिए हमें निर्णायक होना चाहिए", जहां किसी को यह तय करना होता है कि क्या खाना है। उन्होंने लिए जाने वाले निर्णयों की सकारात्मकता और नकारात्मकता का मूल्यांकन करने का भी सुझाव दिया।

माता-पिता की भूमिका

दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुई पुदुचेरी गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा दीपाश्री ने प्रधानमंत्री से माता-पिता की भूमिका के बारे में पूछा और छात्र कैसे विश्वास बना सकते हैं। प्रधानमंत्री ने परिवारों में विश्वास की कमी को छुआ और माता-पिता और शिक्षकों से इस गंभीर मुद्दे से निपटने को कहा। उन्होंने कहा कि यह कमी अचानक नहीं है बल्कि एक लंबी प्रक्रिया का परिणाम है और इसके लिए सभी के आचरण के गहन आत्म-विश्लेषण की आवश्यकता है, चाहे वह शिक्षक हों, माता-पिता हों या छात्र हों। उन्होंने कहा, ईमानदार संवाद विश्वास की कमी की संभावना को कम कर सकता है। विद्यार्थियों को अपने व्यवहार में सच्चा एवं ईमानदार रहना चाहिए। इसी तरह माता-पिता को भी अपने बच्चों पर संदेह की बजाय विश्वास करना चाहिए। विश्वास की कमी से बनी दूरी बच्चों को डिप्रेशन में धकेल सकती है। प्रधानमंत्री ने शिक्षकों से छात्रों के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने और पक्षपात से बचने को कहा। उन्होंने एक प्रयोग के लिए कहा और दोस्तों के परिवारों से नियमित रूप से मुलाकात करने और सकारात्मक चीजों पर चर्चा करने का अनुरोध किया जिससे बच्चों को मदद मिल सके।

प्रौद्योगिकी का दखल

पुणे, महाराष्ट्र के एक अभिभावक चंद्रेश जैन ने छात्रों के जीवन में प्रौद्योगिकी के दखल का मुद्दा उठाया और झारखंड के रामगढ़ की एक अभिभावक कुमारी पूजा श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की प्रचुरता के साथ पढ़ाई करने के बारे में सवाल किया। टीआर डीएवी स्कूल, कांगू, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के छात्र अभिनव राणा ने परीक्षा के तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए छात्रों को शिक्षित करने और प्रोत्साहित करने के मुद्दे के साथ-साथ अध्ययन के साधन के रूप में मोबाइल प्रौद्योगिकी के लाभों का उपयोग करने का मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने कहा, "किसी भी चीज़ की अति बुरी होती है", अत्यधिक मोबाइल फोन के उपयोग की तुलना घर के बने भोजन के साथ करते हुए, जिसे अधिक मात्रा में लेने पर पेट की समस्याएं और अन्य समस्याएं हो सकती हैं, भले ही यह पोषक तत्वों से भरपूर हो। उन्होंने निर्णय-आधारित फैसले लेने की सहायता से प्रौद्योगिकी और मोबाइल फोन के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने निजता और गोपनीयता के विषय की ओर इशारा करते हुए कहा, "प्रत्येक माता-पिता को इस मुद्दे का सामना करना पड़ता है"। उन्होंने परिवार में नियमों और विनियमों का एक सेट बनाने पर जोर दिया और रात के खाने के दौरान कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट न रखने और घर में नो गैजेट जोन बनाने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज की दुनिया में कोई भी प्रौद्योगिकी से भाग नहीं सकता।" उन्होंने कहा कि इसे बोझ नहीं समझना चाहिए बल्कि इसका प्रभावी उपयोग सीखना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को अपने माता-पिता को प्रौद्योगिकी को एक शैक्षिक संसाधन होने के बारे में शिक्षित करने का सुझाव दिया और पारदर्शिता स्थापित करने के लिए अपने घरों में प्रत्येक मोबाइल फोन के पासकोड को प्रत्येक सदस्य के साथ साझा करने की भी सिफारिश की। उन्होंने कहा, "इससे बहुत सारी बुराइयों को रोका जा सकेगा।" प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन और टूल के उपयोग के साथ स्क्रीन टाइम की निगरानी पर भी बात की। उन्होंने कक्षा में छात्रों को मोबाइल फोन की संसाधनशीलता के बारे में शिक्षित करने का भी सुझाव दिया।

***All Photos Credit:** Vetri Rajendiran, Photographer Gr. I, O/o Hon'ble Education Minister*

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चेन्नई, तमिलनाडु के छात्र एम वागेश ने प्रधानमंत्री से पूछा कि वह प्रधानमंत्री के पद पर दबाव और तनाव से कैसे निपटते है? डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी, उधमसिंह नगर, उत्तराखंड की छात्रा स्नेहा त्यागी ने प्रधानमंत्री से पूछा, "हम आपकी तरह सकारात्मक कैसे हो सकते हैं?"प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जानकर अच्छा लगा कि बच्चे प्रधानमंत्री के पद के दबावों को जानते हैं।उन्होंने कहा कि हर किसी को अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा, कोई भी उनसे बचकर प्रतिक्रिया कर सकता है, ऐसे लोग जीवन में बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाते हैं। "मेरा दृष्टिकोण जो मुझे उपयोगी लगा वह यह है कि 'मैं हर चुनौती को चुनौती देता हूं'। मैं चुनौती के निकलने का निष्क्रिय रूप से इंतजार नहीं करता। इसके कारण मुझे हर समय कुछ नया सीखने का मौका मिलता है।'नई परिस्थितियों से निपटना मुझे समृद्ध बनाता है।" उन्होंने आगे कहा, "मेरा सबसे बड़ा विश्वास ये है कि मेरे साथ 140 करोड़ देशवासी हैं। यदि 100 मिलियन चुनौतियाँ हैं, तो अरबों समाधान भी हैं। मैं खुद को कभी अकेला नहीं पाता हूं और सब कुछ मुझ पर है, मैं हमेशा अपने देश और देशवासियों की क्षमताओं से अवगत रहता हूं। यह मेरी सोच का मूल आधार है।"उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें सबसे आगे रहना होगा और गलतियां भी उनकी होंगी लेकिन देश की क्षमताएं ताकत देती हैं। उन्होंने कहा, "जितना मैं अपने देशवासियों की क्षमताएं बढ़ाता हूं, चुनौतियों को चुनौती देने की मेरी क्षमता बढ़ती है।"

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्ति को चीजों को प्राथमिकता देने का ज्ञान होना चाहिए। यह अनुभव और हर चीज़ का विश्लेषण करने के साथ आता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी गलतियों को सबक मानते हैं।

उन्होंने कोविड महामारी का उदाहरण दिया और कहा कि बेकार बैठने के बजाय उन्होंने लोगों को एकजुट करने के लिए दीया या 'थाली'बजाने जैसे कार्यों के माध्यम से उनकी सामूहिक ताकत बढ़ाने का विकल्प चुना। इसी तरह, खेल की सफलता और सही रणनीति, दिशा और नेतृत्व का जश्न मनाने के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में बड़े पैमाने पर पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि उचित शासन के लिए भी नीचे से ऊपर तक उत्तम सूचना की व्यवस्था और ऊपर से नीचे तक उत्तम मार्गदर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने जीवन में निराश न होने पर जोर दिया और कहा कि एक बार निर्णय लेने के बाद केवल सकारात्मकता ही बचती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने अपने जीवन में निराशा के सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दी हैं।"उन्होंने कहा कि जब कुछ करने का संकल्प मजबूत हो तो निर्णय लेना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, "जब स्वार्थ का कोई मकसद नहीं होता तो निर्णय में कभी भ्रम नहीं होता।" प्रधानमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी के जीवन को आसान बनाने पर जोर देते हुए विश्वास जताया कि आज की पीढ़ी को अपने माता-पिता द्वारा झेली जाने वाली कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सरकार एक ऐसा राष्ट्र बनाने का प्रयास कर रही है जहां न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों को चमकने और अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिले। यह पूरे राष्ट्र का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। सकारात्मक सोच की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सबसे नकारात्मक परिस्थितियों में भी सकारात्मक परिणाम देखने की ताकत देती है। प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए अपनी बातचीत समाप्त की और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान भी उपस्थित थे।

Bharat Mandapam: PPCs 7th Edition Venue

"Pariksha Pe Charcha" (PPC) is a unique initiative led by Prime Minister Shri Narendra Modi to address the stress associated with examinations and promote a celebratory approach towards life, aligning with the larger movement of 'Exam Warriors.'

On January 29, 2024, the 7th edition of "Pariksha Pe Charcha" was held at Bharat Mandapam in New Delhi. PPCs usual venue was Talkatora Stadium.

Bharat Mandapam holds a special significance as it embodies India's aspirations for the future, symbolizing global competitiveness, economic progress, talent nurturing, and a strong commitment to the welfare of its people. It epitomizes India's journey towards a brighter tomorrow.

On July 26, 2023, Bharat Mandapam inaugurated with a 27-ft-tall bronze statue of Nataraja, crafted from Ashtadhatu and weighing about 18 tons. Renowned sculptor Radhakrishnan Sthapaty also contributed to this magnificent installation.

Spanning approximately 123 acres, Bharat Mandapam stands as India's largest MICE (Meetings, Incentives, Conferences, and Exhibitions) destination. The G20 Summit was a much-awaited event scheduled at Bharat Mandapam, featuring prominent world leaders, including US President Joe Biden and UK Prime Minister Rishi Sunak.

The Bharat Mandapam - Convention Centre boasts a world-class facility equipped with modern infrastructure and technology, ideal for hosting various events such as conclaves, summits, meetings, cultural events, and congregations. It includes dedicated VIP and guest lounges, along with five-star catering services, accommodating events of up to 7000 individuals in a single format. The complex prioritizes accessibility for visitors, specially-abled individuals, and senior citizens, offering a parking capacity of over 5000 vehicles. Surrounding the complex is a beautifully landscaped plaza featuring a mesmerizing musical fountain.

Kendriya Vidyalaya Anchor Students Shine Alongside PM

‘Pariksha Pe Charcha’

“Pariksha pe Charcha” stands as a renowned event among students, teachers, and parents. Like every year, this year also, three students from Kendriya Vidyalaya had the honor of sharing the stage with the Hon’ble PM, Shri Narendra Modi. As an anchor KV students showcased their talent and made proud moment for whole KV family. The experience of participating in the show and meeting the Hon’ble Prime Minister left a memorable mark on their lives. They described their experiences and expressed immense gratitude for being chosen to represent their school and themselves.

Pariksha Pe Charcha 7.0:
A Memorable Experience

Participating in Pariksha Pe Charcha was a transformative experience. The disciplined yet enjoyable atmosphere and the Prime Minister's insightful words left a lasting impact. His mantra of 'Be a Warrior, Not a Worrier' resonated deeply with me. Sharing the stage with such an esteemed figure was truly remarkable. I'm grateful for the stress relief PPC provided not only to me but to many others. The PM's advice was invaluable, and his compassion towards students was evident. I'll cherish the lessons learned from PPC and strive to incorporate them into my life. In summary, PPC holds a significant place in my life.

Ayush
12th
PM SHRI KV Pitampura, Delhi

'परीक्षा पे चर्चा'
कार्यक्रम पर मेरा अनुभव

माननीय प्रधानमंत्री जी से मिलना और 'परीक्षा पे चर्चा 2024' कार्यक्रम में मंच का संचालन करना मेरे जीवन का अपूर्व अनुभव रहा। यह मेरा सौभाग्य था कि मैंने इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मंच संचालन किया। कार्यक्रम की तैयारी के दौरान मेरे वाचन कौशल, त्वरित प्रत्युपन्नमति एवं आत्मविश्वास में अद्भुत वृद्धि हुई। सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि मुझे भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों से मिलने, दोस्ती करने एवम् भारत की 'विभिन्नता में एकता' संस्कृति का साक्षात अनुभव करने का अवसर मिला।

मंच पर प्रत्यक्ष माननीय प्रधानमंत्री जी को देखना तो स्वप्न साकार होने जैसा था। कुछ पलों के लिए तो मैं उनके अद्भुत व्यक्तित्व की आभा से विस्मयाभिभूत हो गया। पर जैसे ही कार्यक्रम प्रारंभ हुआ मैंने अपनी जिम्मेदारी के प्रति सतर्क होकर मंच संचालन के दायित्व का पूर्ण निष्ठा से पालन किया।

कार्यक्रम के अंत में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ फोटो खिंचवाने का भी अवसर प्राप्त हुआ और मेरी खुशी का ठिकाना ही ना रहा जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अत्यंत आत्मीय स्वर में मुझे भावी जीवन की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं। मैं उनके आशीर्वचन रूपी शब्दों से मिली खुशी एवम प्रेरणा को चंद शब्दो में अभिव्यक्त नहीं कर सकता लेकिन जीवन के वे पल मेरे स्मृति कोश में सदैव के लिए संचित हो गए।

मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रति अति आभारी हूं कि मेरी क्षमता पर विश्वास करके मुझे इतने महत्वपूर्ण कार्य के लिए चयनित किया गया।

धन्यवाद

संकल्प श्रेय
11वीं
केन्द्रीय विद्यालय एस.पी.जी. द्वारका, दिल्ली

From Classroom to Center Stage:
A Journey of Unforgettable Moments

Something had made its presence known. Something was revolving around. That was a thing beyond gratitude, a feeling of happiness. It was the feeling that accompanied me for a week, when I was still alone with everyone around. That solitude was one to cherish, one to learn from and the one to enjoy. While getting the opportunity to host the national event ," Pariksha Pe Charcha", which was just a show we watched with our classmates in our school for the past years, it felt unbelievable and at points, almost unreal. The 10 days I spent in Delhi were remarkable and most importantly memorable. It was as if I had gone empty handed but had come back with many memories, knowledge and bonds to cherish. Meeting people of beautiful and different ethnicities, talking to them, getting fascinated by their life,which was so different from mine, was a priceless opportunity.

We landed in Delhi on 22nd morning and had a wonderful and comfortable stay arranged at KVS guesthouse, Delhi Cantt. KV No. 3. Starting from 22nd of January 2024, the week that followed was quite eventful. The first day passed by just like a cold breeze of the winter months in Delhi. The next day I met my fellow anchors for the first time and was pleased to meet them. Then there was another level of selection and I was fortunate to have been selected. The training started that day and continued till past midnight of 28th January. We were trained by the language veterans of KVS, Wilma ma'am, Virendra sir, Ajay sir, Sanjay sir, and many more officers. They were incredibly patient, friendly, humble and were the loveliest of humans. Our team was lucky to be trained by them, the knowledge gathered from them is priceless. Their hard work was commendable and they were wonderfully supportive throughout. Even the most minute mistakes were rectified and we were trained to be no less than perfect. The script was the tricky part, which was subject to constant changes. The day of performance was quite odd and in a way funny. We had barely 3 hours of sleep and almost no food in our stomach. However it was least of our concerns as we prepared ourselves for the final performance. Those tense yet moments of joy backstage is my favorite flashback of the whole experience. After each delivery of dialogue, going back behind the stage to be appreciated and motivated by the whole anchoring team was wonderful. The infrastructure of the magnificent Bharath mandapam was a thing to be admired. The days of rehearsals there were the best, with all facilities provided along with tasty north Indian cuisine and desserts. To have shared a stage with the Prime Minister himself was a moment of great importance.

I'm filled with gratitude to have had the opportunity, to have met with the best of people, to have learnt from them. I'm thankful to my school, Principal, teachers ,my friends and my wonderful and truly supportive escort. The opportunity as a whole was golden and unforgettable-The opportunity to receive national level training for anchoring, the opportunity to hone the skills to perfection,the opportunity to meet the honorable Prime Minister and listen to him. This was unimaginable a few months back and it became real.

Meghna N Nath
11th
KV No.1 Calicut, Kerala

From Anchoring Pariksha Pe Charcha to a Selfie with PM Modi

Hello, I am Ananya Jyoti, a student of Kendriya Vidyalaya BHU. Today, I wish to extend my sincerest gratitude to my parents, teachers, Principal, and the officials of KVS Regional Office, Varanasi, for providing me with the memorable opportunity of anchoring Pariksha Pe Charcha - 2024. I have no words to express my appreciation and gratitude to Ms. Nidhi Pandey, Commissioner, KVS HQ, New Delhi, for providing the students with safe and comfortable stay arrangements. I will always cherish the inspiring and interactive session with her in my heart.

On 29/01/2024, a red-letter day in my life, I got the opportunity to share the stage with the most revered Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi Ji. When I saw and listened to him, I realized that great persons have a magnetic aura around them that induces the law of attraction in their personalities. PM Modi has that aura. We received an unforgettable and precious gift in the form of a selfie with the honorable Prime Minister Shri Modi Ji. I will always treasure his encouraging words like 'One should improve the ability to challenge the challenges' in my life. Lastly, I extend my deepest gratitude to Almighty God for showering His blessings on me.

Ananya Jyoti
11th
Kendriya Vidyalaya BHU

Students who anchored the PPC 2024 event in the presence of the Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi were extended an invitation for an exclusive discussion to share their experiences on DD-News, India's National Broadcaster.

Anchors of PPC-2024 with Hon'ble Secretary, DoSEL, Ministry of Education and Commissioner, KVS.

A glimpse of the Hon'ble Prime Minister of India engaging with students from Kendriya Vidyalaya and exploring the PPC 2024 display stalls.

PPC Anthem

परीक्षा पे चर्चा - गीत

Scan this QR Code & Listen the PPC Anthem

इस वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने PPC गीत गाकर वहां उपस्थित सभी श्रोताओं को प्रभावित किया। 'परीक्षा पे चर्चा' गीत को प्रस्तुत करते हुए, विद्यार्थियों ने एक अद्भुत और प्रेरणादायक संदेश दिया। यह गीत उनके आत्मविश्वास, साहस और उत्साह को व्यक्त करता है, जो उन्हें परीक्षा के समय में सफलता की ओर अग्रसर करता है। इस गीत के माध्यम से उन परीक्षार्थियों को भी प्रेरित किया जो अपनी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इस गीत को अपने यू ट्यूब चैनल पर देशवासियों के साथ साझा किया है। गीत के बोल निम्नलिखित हैं-

किस बात की है चिंता
किस बात का है अब डर
कुछ भी नही कठिन है
हम ठान लें जो अगर

जीवन परीक्षाओं से है भरा
आओ करें परीक्षा पे चर्चा

(1)
संघर्षों मे मुस्काना
और आगे बढ़ते जाना
सीखें प्रधानमंत्री जी से
कठिनाई में राह बनाना
धाराएं हों प्रतिकूल जब
कर हिम्मत से अनुकूल सब
मन की बातों को समझकर
मन की बातें समझाना

हमे विकसित भारत का संकल्प दिया
आओ करें परीक्षा पे चर्चा

(2)
ये धरती राम और कृष्ण की
हर दिन थी परीक्षा जिनकी
अध्यन करें पूरे जतन से
हम लेके प्रेरणा उनकी
मेधावी प्रतिभाशाली
रख दृष्टि अर्जुन वाली
कोई जीतने से क्या रोके
जो हमने शपथ उठा ली

देखो आदित्य को हमने लक्ष्य किया
आओ करें परीक्षा पे चर्चा

(3)
हम सब को चलना होगा
अब कदम से कदम मिलाकर
जीतेंगे हर मुश्किल से
शिक्षा की मशाल जला कर
कीमत समझें समय की
और लगा दें जान की बाजी
और लगा दें जान की बाजी
हर दिशा में भारत दमके
जैसे हो प्रखर प्रभाकर

इस अमृत काल में खुल के मुस्कुरा
आओ करें परीक्षा पे चर्चा

किस बात की है चिंता
किस बात का है अब डर
कुछ भी नही कठिन है
हम ठान लें जो अगर

जीवन परीक्षाओं से है भरा
आओ करें परीक्षा पे चर्चा

उदय शंकर
प्राथमिक शिक्षक (संगीत)
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 सोहना रोड, गुरूग्राम

लेख

पीपीसी-2024 में भाग लेने के बाद के.वि. के विद्यार्थियों और शिक्षकों की अभिव्यक्तियां

निराशा को त्याग हर चुनौती को चुनौती दें

बंधी गिरह सब खोले अब,
खुलकर मन की बाते बोले अब
और आओ करें 'परीक्षा पे चर्चा'

परीक्षा पे चर्चा 'कार्यक्रम के सातवें संस्करण के दौरान प्रधानमंत्री जी ने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों से बातचीत की। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय की ओर से 2018 से लगातार आयोजित किया जा रहा है, जो परीक्षार्थियों को मुस्कराते हुए परीक्षा देने के लिए सक्षम बनाता है।

किसी बड़े कार्य के लिए जाने से पूर्व घर के बुर्जुग जिस प्रकार हमें अपना आशीर्वाद व सीख देते हैं, उसी प्रकार प्रधानमंत्री जी ने अपने खुद के जीवन के अनुभवों तथा विभिन्न उदाहरणों द्वारा हमारी विभिन्न शंकाओ का समाधान कर हमें परीक्षा को उत्सव के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री जी ने बताया कि दबाव तीन प्रकार का होता है पहला साथियों का दूसरा अभिभावकों और तीसरा खुद का बनाया हुआ, छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं तैयारियों को सुधारें और परीक्षा से पहले ही बेहतर रूप से तैयार हो जाएं। उन्होंने प्रश्नपत्र हल करने में समय विभाजन का ध्यान रखने तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने के लिए कहा, प्रधानमंत्री जी की बातों से प्रेरित होकर मैंने कार्यक्रम के तुरंत बाद मोबाइल स्क्रीन ऐप इस्टॉल किया तथा अपना पासवर्ड अपनी माता को बताया प्रधानमंत्री जी के कहे शब्द "कि हर गलती नई सीख देती है, निराशा की सभी खिड़की बंद करे तथा हर चुनौती को चुनौती दें" मुझे सदैव जीवन में बेहतर करने के लिए प्रेरित करेंगे।

आस्था
IX
केन्द्रीय विद्यालय ओ.एल.एफ. देहरादून

परीक्षा के योद्धाओं को मा. प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन

परीक्षाओं का उद्देश्य मात्र हमारे पाठ्यक्रम के पर्याप्त ज्ञान को आंकना नहीं अपितु जीवन की तनावपूर्ण परिस्तिथियो में हमारी प्रतिक्रियाओं को जांचना भी है। परीक्षाओं का धैर्यपूर्वक व निडरता से सामना करने के लिए, हमें आवश्यकता होती है किसी अच्छे मार्गदर्शक की। हम भारत के छात्र अत्यधिक भाग्यशाली हैं कि हमारा मार्गदर्शन पिछले छह वर्षों से स्वयं मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के द्वारा कर रहें हैं। इस वर्ष भी प्रधानमंत्री जी ने 29 जनवरी को परीक्षा पर चर्चा के सातवें संस्करण में इस वर्ष बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ बातचीत की। यह कार्यक्रम भले ही नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहा था, परंतु हमारे विद्यालय में भी यह कार्यक्रम प्रोजेक्टर के द्वारा लाइव दिखाया गया। कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर हमें महत्वपूर्ण उपदेश व नसीहतें प्राप्त हुई जिनका हम अवश्य अपने जीवन में उपयोग करेंगे। इस कार्यक्रम में विद्यार्थी जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव जैसे कि स्वयं की प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता, जीवन की सभी चुनौतियों का डटकर सामना करना, स्क्रीन टाइम कम करने की जरूरत, कर्म पर परिणाम से अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता, दबाव से निपटना तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की प्रेरणा लेना, और कई अन्य सलाह प्राप्त हुई।

इसके अलावा प्रधानमंत्री जी ने छात्रों के माता-पिता तथा शिक्षकों को छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने की भी सलाह दी।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में वर्चुअल तौर पर शामिल होकर हम स्वयं को बेहद खुशनसीब समझते हैं कि हम प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायक कथनों का अभिप्राय समझ सके। अंत में, हम सभी छात्र प्रधानमंत्री जी के प्रति कृतज्ञ हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर हम विद्यार्थियों के हित में विचार करते हुए हमारा मार्गदर्शन किया।

मृदुस्मिता नायक
XI
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नारंगी, असम

M. Chanu Bemthoi
VIII B
KV Imphal No. 2

चिन्ता छोड़ो और योद्धा बनो

जिन्दगी हर समय एक संघर्ष है। यह मानव के लिए एक अग्निपरीक्षा है। जो जितना जलता है वह उतना खिलता है। उसे हर क्षेत्र में मजबूती से संघर्ष करना पड़ता है।

बोर्ड परीक्षा सामने आ गई है। बच्चों के मन में बेचैनी है कि इसका फल क्या निकलेगा, तैयारी के ऊपर परीक्षा का क्या फल मिलेगा? यह हर बच्चे को बैचेन कर रहा है। इस समय अनुभवी लोगो का मार्गदर्शन काफी काम आता है। हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने इस दिशा में अपने अनुभवों से बच्चों का मार्गदर्शन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के बताए गए रास्ते काफी सकारात्मक और प्रगतिशील है। इसके अनुसरण से परीक्षा लेखन में इसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। मोदी जी के इन विचारों से सभी बच्चे विशेषकर बोर्ड देने वाले बच्चे अवश्य लाभान्वित होंगे। कुछ विचार इस प्रकार है:

- परीक्षा को त्योहार के रूप में देखना चाहिए।
- परीक्षा आपकी वर्तमान तैयारी को देखता है।
- हमेशा हँसते और मुस्कुराते रहो।
- चिन्ता छोड़ो और योद्धा बनो।
- ज्ञान जो स्थायी है उसको अर्पण करो।
- अपने आप से अपना प्रतिस्पर्धी समझो।
- यह आपका समय है इसका सदुपयोग करो।
- वर्तमान ईश्वर की देन है, सदा इसमें रहो।
- टेक्नोलॉजी का अनुसरण करो पर इसका गुलाम मत बनो।
- पर्याप्त मात्रा में विश्राम करो।
- नींद एक शानदार अस्त्र है।
- अपनी ताकत पर जश्न मनाओ।
- बार-बार आकलन करो।
- परीक्षा अनुशासन का अनुसरण करो।
- परीक्षा में अपनी तकनीक का विकास करो।
- प्रस्तुती में मास्टर बन जाओ।
- धोखा-धड़ी मत करो।

एग्ज़ाम वॉरियर्स के 'परीक्षा पे चर्चा' के अंत में, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि यह यात्रा हमें बड़े संदेशों और उपयोगी नुस्खों के साथ विभिन्न सकारात्मक अवधारणाओं से परिपूर्ण बनाती है। परीक्षा के समय में तनाव का सामना करने, समय का प्रबंधन करने, स्वास्थ्य का ध्यान रखने, और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए यहां उत्कृष्ट विचारों को साझा किया गया है। इस पुस्तक ने हमें यह भी याद दिलाया है कि अध्ययन का अर्थ सिर्फ परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं है, बल्कि जीवन को सफल बनाने का एक माध्यम है। इसी तरह, इस सफर ने हमें अपने उद्देश्यों की दिशा में प्रगति करने और सपनों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण उपदेश दिए हैं।

विश्वसाक्षिणी सेनगुप्ता
X
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एएफएस आवकुलम

छात्रों को तनाव से मुक्ति का मंत्र

परीक्षा के समय कई विद्यार्थियों को परीक्षा को लेकर कई तरह की दुविधाएं होती हैं। इस विचार को दूर करने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने परीक्षा पर चर्चा का आयोजन किया, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी विद्यार्थियों से सीधे इस विषय पर चर्चा करते हैं।

कई विद्यार्थी परीक्षा से डरते हैं। परीक्षा के दौरान विद्यार्थी सफलता व असफलता के प्रति संशय की स्थिति में होते हैं। इस परिस्थिति में परीक्षा पर चर्चा का हिस्सा विद्यार्थी बने तो वास्तव में उन्हें कई लाभ पहुंचाए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री जी के द्वारा परीक्षार्थियों को परीक्षा संपादित करने के लिए मूल मंत्र दिए जाते हैं। जिससे विद्यार्थियों का मनोबल व उत्साहवर्धन होता है। परीक्षा पे चर्चा, 2018 से हर साल आयोजित होने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। इस आयोजन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करते हैं।

परीक्षा पे चर्चा का मुख्य उद्देश्य बोर्ड के विद्यार्थियों को साहस देना है। प्रधानमंत्री ने इस खास पहल को विशेषकर बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए ही शुरू किया है। स्कूली परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है। परीक्षा हमारे विकास की यात्रा के छोटे छोटे पड़ाव माने जाते हैं। ऐसे में इन पड़ावों से बहादुरी से निकलना ही परीक्षा पे चर्चा का मुख्य उद्देश्य माना जाता है। परीक्षा पे चर्चा के तहत पीएम मोदी जी मोटीवेशन जैसे विषयों पर गंभीरता से बात करते हैं, साथ ही पढ़ा हुआ भूल जाना, बोर्ड परीक्षा में तैयारी कैसे करें, बालिका सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

परीक्षा पे चर्चा इस देश के विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी है। परीक्षा पे चर्चा का विषय छात्रों को प्रेरित करता है तथा उनके परीक्षा के भय को दूर करने में मदद करता है। इस योजना अथवा पहल के तहत विद्यार्थी, शिक्षक और माता पिता अत्यधिक लाभान्वित होते हैं।

भारती शाक्य
XI
देहरादून संभाग

Ananya K
Class: XII B
KV No. 1 Pondicherry

हर चुनौती को अपनाओ

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परीक्षा पर चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हम विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों के प्रश्नों और समस्याओं का निवारण किया है। इस साल की परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम ने मुझे व्यक्तिगत तौर पर बहुत प्रभावित किया। मोदी जी के विचार सुनने के बाद मैंने परीक्षा को नए नजरिए से देखकर उसे चुनौती समझकर स्वीकार किया। चर्चा के दौरान एक अभिभावक और छात्र द्वारा पूछे गए प्रश्न कि पियर प्रेशर को कम कैसे करें?

इस प्रश्न के संदर्भ में मोदी जी के विचारों ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें अपने मित्र को अपना प्रतिस्पर्धी न समझ कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें एक दूसरे की कमियों को समझ कर व सुधार कर बेहतर परिणाम की ओर बढ़ना चाहिए।

मोदी जी का कथन कि बच्चों को पढ़ाई के साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए, मुझे बहुत अच्छा लगा। उन्होंने यह सुझाव दिया था कि हम विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए व व्यायाम और पर्याप्त नींद को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। मैंने इस सुझाव को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का प्रयास किया जो मुझे बहुत लाभदायक लगा।

प्रधानमंत्री जी का अभिभावकों के लिए यह संदेश कि 'अपने बच्चों व उनके दोस्तों के बीच तुलना न करें।' मुझे बहुत प्रशंसनीय लगा। अभिभावकों के इस तुलना के कारण बच्चों के मन में ईर्ष्या व द्वेष की भावना उत्पन्न होती है जो आगे जाकर उनके रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

प्रधानमंत्री जी ने शिक्षक एवं विद्यार्थी के संबंध में भी अपने विचार प्रकट किए तथा उनके सहज संबंधों पर बल दिया।

प्रधानमंत्री जी के अनमोल वचन व सुझाव मेरे जैसे लाखों करोड़ों विद्यार्थियों के लिए लाभदायक रहे।

मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की आभारी हूं कि उन्होंने हम छात्रों की समस्याओं की ओर ध्यान दिया और अपने विचारों से हमारा मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया।

अनुष्का सिंह
XI
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भा.पे. सं मोहकमपुर, देहरादून

Sanskriti Rani
VIII
KV Araria

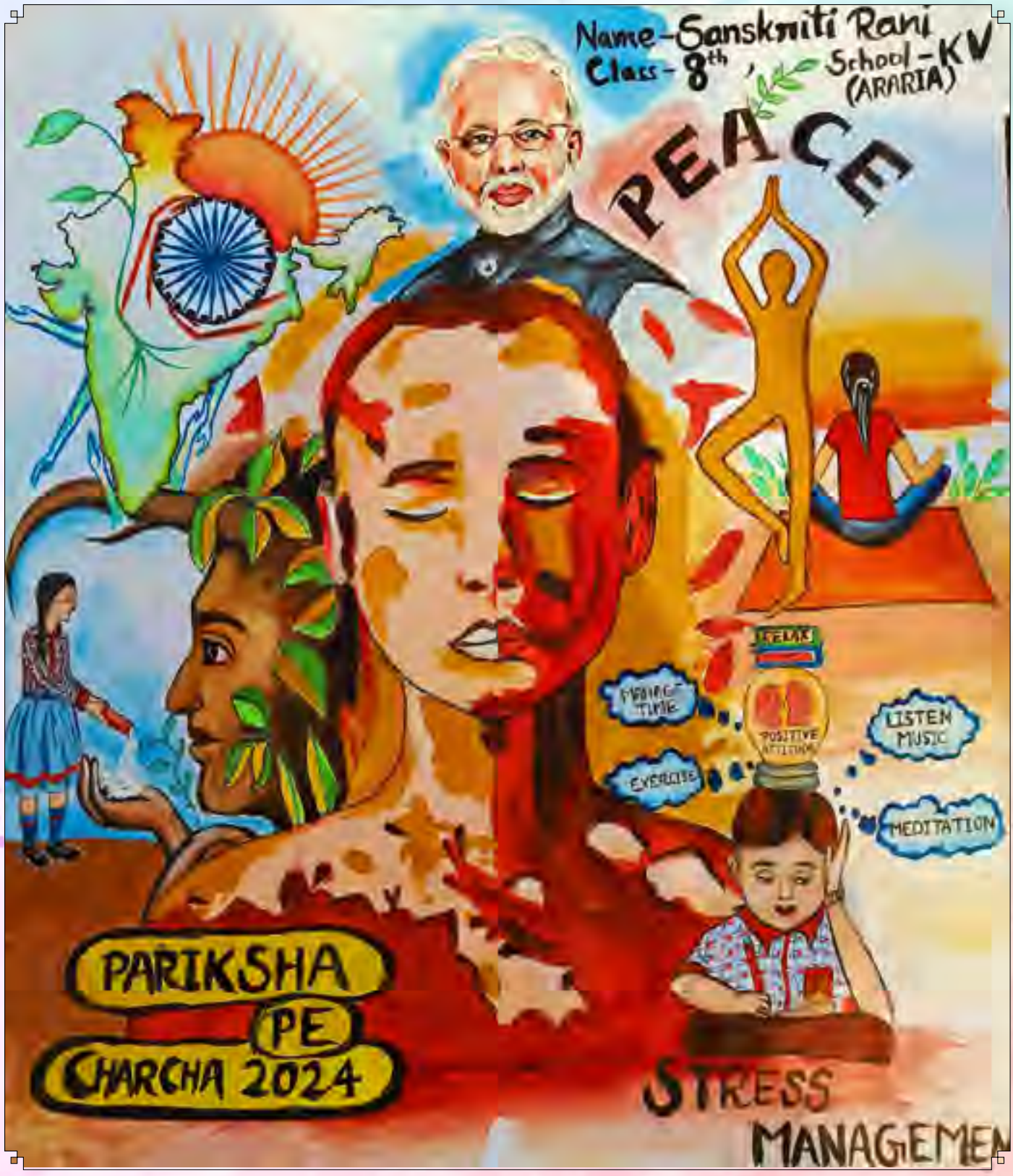

परीक्षा पे चर्चा: शिक्षा व्यवस्था में सुधार का महत्वपूर्ण मंच

परीक्षा एक शब्द जो हमेशा से ही विद्यार्थियों के मन में उत्सुकता और चिंता का कारण रहा है। परंतु माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से इस शब्द को नए दृष्टिकोण से देखने का हमें विचार दिया है। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के दिलों को हल्का करना, उन्हें प्रोत्साहित करना और परीक्षा से जुड़ी सामान्य समस्याओं का समाधान निकालना है। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी स्वयं छात्रों से मिलते हैं और उनसे बातचीत करते हैं जिससे उनका मनोबल बढ़ता है।

इस चर्चा के माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षकों को मिलती-जुलती स्थिति को बताने का एक मौका मिलता है। शिक्षा से जुड़े अनेक मुद्दे उठाए जाते हैं जैसे की परीक्षा की तैयारी में स्ट्रेस कठिनाइयों का सामना करना और उच्च दबाव की स्थिति में अपने आप को संयमित रखना इत्यादि मा. प्रधानमंत्री जी इस चर्चा के माध्यम से छात्रों को सीधी सलाह देते हैं और उन्हें यह बताते हैं कि कैसे अपने मनोबल को बनाए रखें। परीक्षा के समय में सही आत्म नियंत्रण बनाए रखना और सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्यरत रहना महत्वपूर्ण है।

इस चर्चा से प्रेरणा की भावना बनी रहती है जो छात्रों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होती है। इसके साथ ही यह चर्चा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, यहां शिक्षक छात्र और अभिभावक अपने विचार और सुझाव साझा करते हैं। परीक्षा पर चर्चा ने हम सभी के मन में एक नई ऊर्जा भरने का कार्य किया है। मैं हमारे प्रधानमंत्री जी की दिल से आभारी हूं।

नीलम
XI
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र-1, अहमदनगर

परीक्षाएँ : एक चिंता या त्योहार ?

परीक्षाएँ हर विद्यार्थी के जीवन का अपरिहार्य भाग होती हैं; परीक्षा-कक्ष, प्रश्न-पत्रिकाएँ, उत्तर-पत्रिकाएँ और परीक्षा-परिणाम, इन सभी चीज़ो से एक विद्यार्थी भली-भाँति परिचित होता है। परंतु फिर भी इन चीज़ों से उसकी कभी दोस्ती नहीं हो पाती। 'परीक्षा' शब्द सुनकर ही विद्यार्थी के मन मे चिंता और तनाव का जन्म होता है।

इन्हीं परीक्षाओं को त्योहार मानकर अगर हर विद्यार्थी, अपने गुणों के दीये जलाकर, अपने अच्छे अंको का उजाला करने की मनोवृत्ति रखें, तो उनका जीवन सहज़ और मज़ेदार हो जाएगा। इससे वे प्रश्न-पत्रिकाओं को शत्रु और उत्तर-पत्रिकाओं को चुनौती के रूप मे नहीं अपितु ऐसे मित्रों कि तरह समझेंगे जो उनके विकास का कारण है।

इन्हीं प्रतिभाशाली विचारों का प्रचार करने और परीक्षाओं के विषय में विद्यार्थियों की सारी दुविधाएं दूर करने हेतु भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ' परीक्षा पे चर्चा ' नामक एक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया है। यह एक अभिनव कल्पना है जो इससे पूर्व विश्व मे कहीं और नहीं देखी गई थी। यह हमारे प्रधानमंत्री का अपने देश की युवा पीढ़ी की समस्याओं का समाधान करने का एक उत्कृष्ट प्रयास है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं को त्योहार के समान मनाने के दृष्टिकोण का प्रसार और परीक्षाओं से विद्यार्थियों को होने वाली चिंता , तनाव और अशांति को खत्म करना है।

इस योजना में शामिल होने के लिए देश भर से एक प्रतियोगिता द्वारा कुछ विद्यार्थी चुने जाते है। ये विद्यार्थी प्रधानमंत्री जी के समक्ष संपूर्ण विद्यार्थी वर्ग की चिंताएँ पेश करते हैं और उनके मार्गदर्शन रूपी उपहार का प्रचार-प्रसार भी करते हैं। यह बात स्पष्ट है कि इस योजना के द्वारा भारत के भावी नागरिकों के व्यक्तित्व को एक नया आकार दिया जा रहा है।

रिध्दी गोविंद शिंदे
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भांडुप

Mehreen Zaidi
IX
PM SHRI Birpur

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम और हम पर उसका प्रभाव

परीक्षा पे चर्चा 2024 कार्यक्रम को प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित कराया गया था जिसमें देशभर के विभिन्न हिस्सों से छात्रों को शामिल किया गया था। यह माननीय प्रधानमंत्री जी का सातवां परीक्षा पे कार्यक्रम था। उन्होंने बताया कि टेक्नोलॉजी को बोझ न माने। इसका सही उपयोग करना सीखें। उन्होंने कहा कि मोबाइल में स्क्रीन टाइम ऑन करके पढ़ाई करें।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि माता-पिता एवं बच्चों के बीच विश्वास बनाना जरूरी है। सही निर्णय जीवन में बहुत जरूरी है; यह हमारी सफलता और असफलता का आधार बनता है। हमको शंका की स्थिति से बचना चाहिए जो सबसे बुरी स्थिति होती है। हमें अच्छे तरीके से इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। प्रधानमंत्री जी ने खास तौर पर बच्चों को पूरी नींद लेने के लिए कहा। नींद शरीर के लिए बहुत बेहद जरूरी होती है; कम नींद नुकसानदायक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि जितना सोएं गहरी नींद में सोएं।

प्रधानमंत्री जी ने परीक्षा पत्र हल करने के लिए की उपाय बताए। हमें परीक्षा के कुछ समय पहले खुद को हल्का महसूस करना चाहिए। हंसी मजाक कर 10-15 मिनट बिताने चाहिए ताकि परीक्षा के पहले हम सारा तनाव भूल जाएं।

शिक्षक छात्र के जीवन में एक अहम भूमिका निभाते हैं। शिक्षक का काम नौकरी दिलाना नहीं होता बल्कि छात्र का जीवन बदलना होता है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा जो माता पिता अपने जीवन में असफल हो जाते हैं वो अपने बच्चों की सफलताओं को अपना विजिटिंग कार्ड बनाते हैं। यह बच्चों में तनाव पैदा करता है। प्रधानमंत्री जी ने प्रतिस्पर्धा को लेकर बड़ी अच्छी बात कही कि जीवन में अगर चुनौतियां ना हो तो जीवन निरस्त हो जाएगा। लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए। उन्होंने दोस्ती एवं प्रतिस्पर्धा को लेकर कहा कि दोस्तों में कैसी स्पर्धा। हमें स्पर्धा दोस्तों से नहीं, खुद से करनी चाहिए। दोस्त हमेशा प्रतिभावान ढूंढने चाहिए। दोस्ती में जलन का भाव नहीं होना चाहिए।

जाने अनजाने में एक प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री जी ने दोस्ती की परिभाषा ही बता दी -- सच्चा दोस्त वह है जो अपने जीवन में अपने दोस्त की सफलता से खुश हो और वह उससे सीख ले। घर में भी जाने अनजाने प्रतिस्पर्धा होती है। माता-पिता को ऐसा न करने की सलाह दी गई।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम से मुझे अपनी परीक्षाओं को देखने का नया एवं अलग नजरिया मिला, जो निश्चय ही मेरी परीक्षा की तैयारी के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। साथ ही मेरे अच्छे परीक्षा परिणाम में मेरी मदद भी करेगा।

मयंक यादव
XI
केन्द्रीय विद्यालय धमतरी

Taniya Nama
IX
KV NIT Agartala

परीक्षा एक पर्व है

परीक्षा पे चर्चा आज बहुत चर्चा में है। यह प्रोग्राम हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी द्वारा निर्देशित किया जाता है। इसके द्वारा प्रधानमंत्री जी न केवल बच्चों को परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते है बल्कि वे बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह भी भर देते हैं। इस प्रोग्राम के माध्यम से देश भर में अलग-अलग विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को अपनी कला एवं अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का मौका भी दिया जाता है। परीक्षा विद्यार्थियों को एक भयानक सपने जैसी लगती है लेकिन मा. प्रधानमंत्री विद्यार्थियों को यही बताते हैं कि परीक्षा से डरने की जरूरत नहीं हैं. हमें अपनी कमियों पर काम कर, पढ़ने के साथ ही अन्य मानसिक व शारीरिक भतिविधियों को भी करते रहना चाहिए। मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री जी ने इन सभी परेशानियों व एक विद्यार्थी के जीवन की दुविधाओं पर एक बहुत मदद्गार पुस्तक भी लिखी है। इस पुस्तक का नाम 'एग्जाम वॉरियर्स' है। एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक को हम परीक्षा पे चर्चा का ही भाग माने तो यह गलत नहीं होगा, अगर हम अपने घरों में होने वाली पढ़ाई से जुड़ी बातों को परीक्षा पे चर्चा का भाग माने तो यह गलत नहीं होगा और ना ही किन्हीं दो विद्यार्थियों के बीच होने वाली परीक्षा पर वार्ता को परीक्षा पे चर्चा का भाग मानना गलत होगा। परीक्षा पे चर्चा तो सब करते हैं लेकिन इस चर्चा से कुछ अच्छे विचार अपने मन मे लाकर अपने में सुधार करना सबसे आवश्यक है।

मनोरमा कुमारी
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सीआरपीएफ येलहंका, बेंगलुरू

परीक्षा के मंत्र

परीक्षा एक ऐसा मार्ग है जो हर छात्र को अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। यह एक नया मौका होता है अपनी नैया संचालित करने का, नए विचारों का सामना करने का, और सीमाओं को पार करने का। इसके साथ ही, परीक्षा एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है जो हमें अपनी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें समाप्त करने के लिए साहस देती है।

परीक्षा के समय, एक शक्तिशाली मंत्र है "समर्पण और संघर्ष"। यह मंत्र हमें सिखाता है कि हमें अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहना चाहिए और संघर्ष करना चाहिए ताकि हम अपनी प्रासंगिकताओं को प्रकट कर सकें। समर्पण का अर्थ है कि हमें अपने काम में पूरी निष्ठा और लगन से काम करना चाहिए। यह हमें संघर्ष की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण मंत्र है "नियमित प्रैक्टिस और परिश्रम"। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए नियमित प्रैक्टिस और परिश्रम की आवश्यकता होती है। यह हमें यहां तक पहुंचने के लिए तैयार करता है कि हमारे उत्कृष्टता के लिए हमें कितना परिश्रम करना होगा।

आखिर में, परीक्षा के समय "धैर्य और आत्म-विश्वास" बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमें धैर्य रखना चाहिए क्योंकि हर काम के लिए समय लगता है, और हमें आत्म-विश्वास रखना चाहिए क्योंकि यह हमें अपनी क्षमताओं में विश्वास करने की शक्ति देता है।

इस प्रकार, परीक्षा के मंत्र न ही सिर्फ हमें प्रेरित करते हैं बल्कि हमें एक दिशा भी प्रदान करते हैं जो हमें सफलता की ओर ले जाती है।

तपस्या प्रजापति
IX
केन्द्रीय विद्यालय क्र.3, सागर (म.प्र) जबलपुर संभाग

Poorvi
IX D
KV Gachibowli

परीक्षा : एक अवसर

परीक्षा एक महत्वपूर्ण घड़ी है जो विद्यार्थियों को उनके शैक्षिक योग्यता और ज्ञान की मान्यता प्रदान करने के लिए आयोजित की जाती है। यह एक अवसर है जिसका सही तरीके से उपयोग करने से छात्र न केवल अपनी क्षमताओं को स्थापित कर सकते हैं बल्कि समर्पित भाव से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल भी हो सकते हैं।

परीक्षा का सामान्य प्रयोग, संबंधित विषयों में ज्ञान और समझ का मूल्यांकन करने का एक माध्यम है। यह छात्रों को उनके अध्ययन के क्षेत्र में सुधार की स्थिति को मापने का एक ज़रिया प्रदान करता है।

परीक्षा को स्वीकारने का मतलब है छात्रों को अपने आत्म-मूल्यांकन की स्थिति में स्वीकृति प्रदान करना। यह एक अवसर होता है जिसमें विद्यार्थी अपनी कमजोरियों और कौशलों में सुधार करने का प्रयास कर सकता है, जिससे उसका आत्म-विश्वास और समर्पण भाव दृढ़ होता जाता है।

परीक्षा शिक्षा में सुधार का महत्वपूर्ण साधन है। छात्रों के लिए यह अपनी प्रगति की निगरानी रखने और स्वयं को सुधारने का एक अवसर प्रदान करता है। उनकी तैयारी को मजबूत करने और उच्चतम शिक्षात्मक स्तर पर पहुँचने का माध्यम है-परीक्षा। परीक्षा एक सामाजिक न्यायपूर्ण माध्यम भी है जो सभी छात्रों को एक समान रूप से मौका प्रदान करता है ताकि वे अपनी क्षमताओं का परिचय सर्वसाधारण के समक्ष प्रस्तुत कर सकें। यह उन्हें अन्य छात्रों के साथ स्वयं की क्षमताओं से प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करता है। परीक्षा को सामाजिक सकारात्मकता और उत्साह को बढ़ावा देने का एक माध्यम कहा जा सकता है।

यदि परीक्षा का सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह छात्रों के लिए अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफलता प्राप्त करने के लिए एक अवसर बन सकता है। इसके माध्यम से वे सकारात्मक परिणामों के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। इन कारणों से हमें परीक्षा से भयभीत होने के स्थान पर इसे एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में आयत्त करना चाहिए तथा इस उपकरण के माध्यम से स्वयं की उपलब्धियों का समुचित आँकलन करते हुए भविष्य की योजनाओं हेतु खुद को तैयार करना चाहिए।

संस्कार कुमार वर्मा
X
केन्द्रीय विद्यालय हिनू, राँची

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के लाभ

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम (पीपीसी) छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्माण है जो परीक्षा की तैयारी में सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों को विभिन्न लाभ प्राप्त होते हैं।

पहला लाभ है दिशा प्रदान। पीपीसी छात्रों को सही दिशा और तैयारी की रणनीति की दिशा में मार्गदर्शन करता है। यहां वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही मार्ग प्राप्त करते हैं।

दूसरा लाभ है सहयोग और समर्थन। पीपीसी छात्रों को सहयोग और मानसिक समर्थन प्रदान करता है। यह उन्हें प्रेरित करता है और उनके अध्ययन में लगाव को बढ़ावा देता है।

तीसरा लाभ है समय प्रबंधन। पीपीसी छात्रों को समय प्रबंधन के महत्व को समझाता है और उन्हें सही रीति से समय का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है।

चौथा लाभ है आत्म-मूल्यांकन। यह कार्यक्रम छात्रों को आत्म-मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे अपनी कमियों को समझ सकें और उन्हें सुधारने का रास्ता ढूंढ सकें।

इसके अलावा, पीपीसी छात्रों को मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस सेशन के माध्यम से वास्तविक परीक्षा की तैयारी करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह छात्रों को स्वयं को समझने के लिए एक अच्छा माध्यम होता है और उन्हें परीक्षा के दिन मनोबल और सकारात्मकता बढ़ाने में मदद करता है।

भावना
XI
केन्द्रीय विद्यालय (एएफएस) अर्जनगढ़

Shreyasi Malage
VIII A
PM SHRI KV No. 3 Belagavi, Bengaluru

छात्रों के जीवन में नया मंच

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम एक ऐसी पहल है जो हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा शुरू की गई है। यह कार्यक्रम युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण और फायदेमंद है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, युवाओं को अपने विचारों और विचारधारा को व्यक्त करने का मौका मिलता है। वे अपने विचारों को सामूहिक रूप से साझा करते हैं और विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होते हैं।

परीक्षा पे चर्चा का मुख्य उद्देश्य है युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित करना और उन्हें सहयोग और समर्थन प्रदान करना। इससे न केवल उनके विचारों में नवीनता आती है, बल्कि उन्हें अध्ययन में भी सकारात्मकता और संभावनाएं दिखाई जाती हैं। इस साल का कार्यक्रम में युवाओं को विभिन्न कैरियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ स्ट्रैस से निजात पाने की जानकारी दी गई है।

परीक्षा पे चर्चा का कार्यक्रम समाज सेवा के महत्व को समझाने और उसमें योगदान देने की भी सीख देता है। युवा लोगों को समाज के उत्थान में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

परीक्षा में चर्चा का मुख्य उद्देश्य बोर्ड के विद्यार्थियों को साहस देना है, प्रधानमंत्री ने इस खास पहल को विशेषकर बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए ही शुरू किया गया है, चूंकि परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है। परीक्षा हमारे विकास की यात्रा के छोटे-छोटे पडाव माने जाते हैं।

परीक्षा पे चर्चा या परीक्षा पंचमी द्वारा आयोजित इस दस दिवसीय कार्यक्रम है, जिसे प्रत्येक राज्य अनुसूची के अनुसार आयोजित किया जाता है। परीक्षा पे चर्चा के तहत पीएम मोदी जी ने मोटीवेशन जैसे विषयों पर गंभीरता से बात की है। साथ ही पढ़ा हुए भूल जाना, बोर्ड परीक्षा में तैयारी कैसे करें, बालिका सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

रिया
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पट्टम

Manish
Class - IX
KV Humhama

परीक्षा: जीवन को परखने की कुंजी

प्राचीन काल से ही परीक्षा का प्रचलन रहा है। परीक्षा हमें जीवन के प्रत्येक पहलुओं से अवगत कराती है। परीक्षा हमें सुयोग्यता एवं जीवन की प्रत्येक परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करती है। परीक्षा को हमें एक त्यौहार के रूप में अपने जीवन में उतारना चाहिए। परीक्षा को डर का नहीं उल्लास एवं हर्ष का विषय मानना चाहिए। हमें हमेशा स्वयं को निखारने के लिए परीक्षा को सकारात्मक रूप में समझना चाहिए। परीक्षा कई तरह की होती है जैसे स्कूल की परीक्षा, नौकरी के निए परीक्षा आदि। परीक्षा के दिनों में विद्यार्थी अपना सारा ध्यान पढ़ाई पे लगा देता है और वह कड़ी मेहनत करता है।

विद्यार्थियों का सिर्फ एक ही लक्ष्य होना चाहिए, पढ़ना क्योंकि पढाई करने से ही हम सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा में सफलता के लिए हमारे अंदर आत्मविश्वास के साथ-साथ संयम भी होना जरूरी होता है। अगर आपने अच्छे से तैयारी की होगी तो आपको प्रश्नों के उत्तर अवश्य मिल जाएगा।

स्तुतिमान्या
VI
केन्द्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी एड्दुमैलाराम

प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण सीख

परीक्षा पे चर्चा एक ऐसी पहल है जो हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य बोर्ड परीक्षा देने वाले बच्चों की मन की बात को सुनना और उनके डर को निकालना है। परीक्षा पर चर्चा 2018 से हर साल आयोजित होने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। इस आयोजन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री देश भर के छात्रों शिक्षकों पर अभिभावकों के साथ बातचीत करते हैं। बोर्ड की परीक्षाएं प्रत्येक विद्यार्थी के लिए काफी महत्वपूर्ण होती है। इन परीक्षाओं में बच्चों को अंक प्राप्त करने के लिए काफी मेहनत करनी होती है। यही कारण है कि इस परीक्षा का अच्छा परिणाम प्राप्त करने के लिए बच्चों के अंदर साहस बढ़ाया जाए। परीक्षा पे चर्चा का मुख्य उद्देश्य बोर्ड के विद्यार्थियों को साहस देना है। प्रधानमंत्री ने इस खास पहल को विशेषकर बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए ही शुरू किया है। चूंकि परीक्षा जीवन का एक सहज हिस्सा है।

परीक्षा हमारे विकास की यात्रा के छोटे छोटे पड़ाव माने जाते हैं। ऐसे में इन पड़ावों से बहादुरी से निकलना ही परीक्षा पे चर्चा का मुख्य उद्देश्य माना जाता है। प्रधानमंत्री से परीक्षा पर चर्चा करने के लिए विद्यार्थियों को आमतौर पर एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना जाता है। प्रतियोगिता के विजेताओं को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने का मौका दिया जाता है और कुछ विजेताओं को प्रधानमंत्री के साथ सीधे बातचीत करने का मौका मिलता है। परीक्षा पे चर्चा या परीक्षा पंचमी (पीपीसी) द्वारा आयोजित दस दिवसीय कार्यक्रम है, जिसे प्रत्येक राज्य अनुसूची के अनुसार आयोजित किया जाता है। पूरीक्षा पे चर्चा के तहत पीएम मोदी जी ने मोटीवेशन जैसे विषयों पर गंभीरता से बात की है। साथ ही पढ़ा हुए भूल जाना, बोर्ड परीक्षा में तैयारी कैसे करें, बालिका सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

परीक्षा पर चर्चा का पहला संस्करण 2018 में आया था और दूसरा संस्करण जनवरी 2019 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। तीसरा संस्करण 2020 में आयोजित किया गया था और इसके बाद 2021 को एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। परीक्षा पे चर्चा 2023 की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन होने से पहले पीएम मोदी विद्यार्थियों से मन की बात करते नजर आए। इस सत्र में पीएम मोदी द्वारा विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई से संबंधित कई टिप्स दी जाएंगी। इस संवाद का हिस्सा बनने के लिए विद्यार्थियों को mygov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इस प्रकार परीक्षा पे चर्चा इस देश के विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद है।

स्वस्तिका सांकृत्य
IV
केन्द्रीय विद्यालय गाजीपुर

Ayra Amjad Khan
VI C
PM SHRI KV Bantalab

परीक्षा: एक उत्सव

परीक्षा एक ऐसा समय है जब हम सभी छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरा समय होता है। यह समय न केवल हमारे ज्ञान का मापदंड होता है, बल्कि हमारे धैर्य, समर्पण और अभ्यास की महत्ता को भी दर्शाता है। इसलिए, हम परीक्षा को सिर्फ एक टेस्ट नहीं, बल्कि एक उत्सव के रूप में भी देख सकते हैं।

परीक्षा के शुरू होते ही हम अपनी तैयारी में लग जाते हैं। यहां विभिन्न प्रकार की पुस्तकें, नोट्स, और अध्ययन सामग्री का एकत्रित करने का समय होता है। इसमें छात्रों की उत्साहित भागीदारी देखने को मिलती है, जिन्हें अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते देखना बेहद प्रेरणादायक होता है।

परीक्षा के दिनों में उत्सव की भावना और ऊर्जा और बढ़ जाती है। छात्र अपनी तैयारी के परिणामों का समीक्षा करते हैं और अपने अच्छे या बुरे प्रदर्शन के बारे में सोचते हैं। यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण समय होता है, जहां वे अपनी जीत और हार से सीखते हैं और अपनी गलतियों से निरंतर सुधार करते रहते हैं।

परीक्षा के उत्सव का समापन तब होता है जब परिणाम घोषित होते हैं। इस समय छात्रों की उत्सुकता और उत्साह देखने लायक होती है। सफलता प्राप्त करने वाले छात्र खुशी के आंसू बहाते हैं जबकि अन्य छात्रों को समर्पण और परिश्रम के फल का महसूस होता है।

इस प्रकार, परीक्षा एक उत्सव की तरह होती है जो हमें नई सफलताओं की ओर ले जाता है और हमें सीखता है कि किसी भी मुश्किल समय में भी हमें समर्पण, उत्साह, और प्रयास में धैर्य रखना चाहिए।

भूमि त्यागी
IX
केन्द्रीय विद्यालय कमला नगर गाज़ियाबाद

नए अवसर की तैयारी

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम एक बहुत ही महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एक मंच प्रदान करना है जहां वे अपने विचारों, अभिप्रायों और विचारधारा को साझा कर सकें। इसके माध्यम से, छात्रों को विभिन्न विषयों पर चर्चा करने और अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर मिलता है।

यह पहल छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके माध्यम से, छात्रों की भावनाओं को समझने और उनकी समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित की जाती है। वे अपने अभिवादन, प्रस्तावना और विचारों को स्पष्टता से प्रकट करने का मौका पाते हैं जो उनके स्वयं के विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

इस पहल का अन्य एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह छात्रों को सामाजिक बदलाव के बारे में समझाता है। यहां वे समाज में उत्थान के लिए योग्यता, नैतिकता और सेवा की महत्ता को समझने में मदद करता है।

इस पहल का एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य छात्रों को नौकरी, उच्च शिक्षा और कैरियर के विकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान करना है। इसके माध्यम से, छात्रों को अपने भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलती है और वे सही निर्णय लेने के लिए तैयार होते हैं।

समाप्त करते समय, हम कह सकते हैं कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम एक सकारात्मक, उपयोगी और समृद्धि का मार्ग प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण पहल है जो छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दिव्या तिवारी
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पुष्प विहार

कविताएं

परीक्षा का स्वागत

निश्चित थी परीक्षा आएंगी
एक चुनौती लाऐंगी ---2
तरकश पर अपने कई बाण लिए
तैयार है हम संधान किए
वर्ष पर्यन्त सब प्रयास किया
संग शिक्षक, सहचर, अभ्यास किया ॥

निश्चित थी परीक्षा आएंगी
एक चुनौती लाऐंगी ---2
ध्यान लगाकर जब मनन किया
चक्रव्यूह तब भेद लिया
संकल्प राम का देख लिया
घबराकर जलधि ने मग छोड़ दिया॥

निश्चित थी परीक्षा आएंगी
एक चुनौती लाएंगी
परीक्षा पे चर्चा में भाग लिया
और अनुभवों को सब समेट लिया
तैयारी अब अपनी पूरी है
स्वागत है परीक्षा आएंगी
स्वागत है परीक्षा आएंगी॥

यशस्विनी उनियाल
VI
केन्द्रीय विद्यालय ओ.एल.एफ., देहरादून

एक दिन जरूर होगा सफलता से सामना

एक दिन ज़रूर होगा सफलता से सामना।
हर बार न होगा हार का हाथ थामना।
कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ो
निज कर्म करते नित रहो
अर्जुन सम कर्म क्षेत्र में, डटे रहो, डटे रहो।
कौन तुझको रोकता, कौन करता है मना।
होगा जरूर होगा सफलता से सामना।।

भाग्य भरोसे कुछ नहीं होगा
कर्म का दिया स्वयं जलाना।
जिससे प्रकाशित तुम रहो
अपना पथ जगमग कर जाना।
एकलव्य सा एकाग्रचित बन जाओ,
विद्या का वरदान सदा तुम पाओ।
तभी छंटेगा जीवन में छाया अंधेरा घना।
होगा जरूर होगा सफलता से सामना।।

जीवन पथ पर चलना होगा
उम्मीदों पर ढलना होगा।
शूल भले ही चुभे पैर में
हाथ नहीं फिर मलना होगा।
राणा सम योद्धा बने रहो।
संघर्षों में तने रहो।
लघुता छोड़ बनो तुम क्षण में...
जीवन के इस दुर्जय रण में...
महाराणा सा महामना।
होगा जरूर होगा सफलता से सामना।

परीक्षा नहीं, उत्सव समझो,
सहज सरल लो, मान इसे।
सुनो बड़ों की बातों को,
पढ़ना लिखना, दो ध्यान इसे।
विजय पताका को लहराते
जीवन की जय गाथा गाते
आगे बढ़ते जाओ तुम..
तनिक नहीं घबराओ तुम...
होगी होगी पूर्ण तभी शुभ मंगल की कामना...
होगा जरूर होगा सफलता से सामना।

रुद्र
XI
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय अपर कैंप, देहरादून

हुई परीक्षा पर चर्चा

डरते थे जो छात्र अभी तक, अब हिम्मत आई उनके पास
हुई परीक्षा पर चर्चा तो दिल को मिली अनोखी आस।

शब्दों के अमृत से मोदी जी ने उन्हें दिया नवजीवन
अब देखो ये मुस्काते हैं, कितना था निराश पहले मन

छात्रों को अब मिली प्रेरणा, और हृदय में है विश्वास
हुई परीक्षा पर चर्चा तो, दिल को मिली अनोखी आस।

एक बड़े मैदान में मिलकर, सुनी महापुरुष की वाणी
बात बात में छात्रों की, सारी कठिनाई पल में जानी।

मोदी जी ने दिया मंत्र जो, अब ना रहेगा कोई उदास
हुई परीक्षा पर चर्चा तो, दिल को मिली अनोखी आस।

कभी-कभी गंभीर भाव से, छात्र नियम वो याद दिलाते
हास्य व्यंग की शैली में भी, अपने अनुभव कई बताते।

साधारण न समझो खुद को, तुमको बनना है कुछ ख़ास
हुई परीक्षा पर चर्चा तो, दिल को मिली अनोखी आस।

संस्कृति यादव
VII
केन्द्रीय विद्यालय एनएफसी नगर

फिर से ये आ गया परीक्षा का त्यौहार

लो, फिर से परीक्षा पे चर्चा का ये त्योहार आ गया है।
प्रिय प्रधानमंत्री का ये कदम, हर किसी के मन को भा गया है।

हर साल तैयारी करते हैं,
मन में साहस को भरते हैं।
पर जब नजदीक परीक्षा आती है,
अनजान भय से डराती है।

क्या होगा, कैसे होगा ? ये डर यूँ ही मन में छा गया है।
लो, फिर से परीक्षा में चर्चा का त्योंहार आ गया है।

उस डर को दूर भगाने को
मन से अंधकार मिटाने को,
भर लें साहस मन में
ये बात सभी को बताने को

"उमंग भर गई है दिल में फिर से "ये कथन उर में समा गया है।
लो, फिर से परीक्षा पे चर्चा का त्योंहार आ गया है।

संजना घोष
IX
केन्द्रीय विद्यालय रायवाला

कभी सरल कभी तरल परीक्षा

चर्चा-चर्चा परीक्षा पर चर्चा, मोदी जी करते हैं चर्चा |
हिम्मत देते बच्चों को, बिना डरे ही करो परीक्षा |
पढ़ लिख कर जब बड़े बनोगे, होगा जग में नाम तुम्हारा |
देंगे सब सम्मान तुम्हे, ऐसा होगा नाम तुम्हारा |
कदम-कदम पर होगी परीक्षा, कभी सरल कभी तरल परीक्षा |
कभी नहीं घबराना तुम, चाहे जैसी भी हो परीक्षा |
यह तो जीवन का हिस्सा है, जो देती है सीख हमेशा |
क्या सीखा क्या नहीं है सीखा, यह ज्ञान दे देती है परीक्षा |
चर्चा-चर्चा परीक्षा पर चर्चा, मोदी जी करते हैं चर्चा |
हिम्मत देते बच्चों को, बिना डरे ही करो परीक्षा |
मेहनत करते सब बच्चे हैं, बढ़ता कोई एक है |
फिर भी हिम्मत न हारो, जीवन में ऐसे अनेक हैं |
फेल हुए तो क्या हो गया, तुम तो कोशिश करते रहो हमेशा |
जीवन का यह अंत नहीं है, यह तो बस शुरुआत हुई है |
चर्चा-चर्चा परीक्षा पर चर्चा, मोदी जी करते हैं चर्चा |
हिम्मत देते बच्चों को, बिना डरे ही करो परीक्षा |

क्षिरजा थापा
IV
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 रूड़की

परीक्षा

प्रश्न पत्र को देखकर, डर जाना नहीं |
बन जायेगा करके, इतराना नहीं |
हर प्रश्न ध्यान से पढ़ना, कोई छुटे नहीं |
सावधानी गहरी रखना, नंबर रूठे नहीं |
जो बन रहा हो, पहले उसे करो हल |
देखना फिर, कैसे कठिन जाये संभल ||
कठिन के फेर में, जो गए पहले फंस |
समय नही बचेगा, हालत होगी विकट |
आये कठिन पेपर, तो बिलकुल न घबराना |
बार- बार पेपर पढ़के, उत्तर लिखते जाना ||
हो अच्छी तैयारी तो, कठिन लगता सरल |
कठिन तपस्या का, अद्भुत मिलता फल |

ख़ुशी
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल बवाना, दिल्ली

मोदी जी की सीख

प्यारे पीएम आते हैं
हमको यह सीखलाते हैं
कभी नहीं डरना है हमें,
आगे नित तो बढ़ना है , हमें।
मन में डर अब आता नहीं,
परीक्षा से जी घबराता नहीं
आशाओं के दीप जले है,
कोई अंधेरा डरता नहीं।
मन में नव विश्वास जागे है,
आशाओं के फूल खिले हैं
हंसते गाते आगे बढ़ना
प्रिय मोदी जी से सीख मिले हैं।

शिवानी कुमारी
V
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 01 वायु सेना स्थल दरभंगा

परीक्षा के डर को हम दूर भगाएंगे

परीक्षा के डर को हम दूर भगाएंगे
प्रधानमंत्री जी के मंत्रों को अपनाएंगे
परीक्षा पर चर्चा को हम उत्सव जैसे मनाएंगे।

गणित विज्ञान और सामाजिक को हम खेल-खेल में सीखेंगे
बार-बार अभ्यास करके इनको सरल बनाएंगे
तकनीकी का सकरात्मक इस्तेमाल करेंगे
उचित मानदंड का उपयोग कर आगे हम बढ़ेंगे।

विषय चयन या जीवन के हर राह का निर्णय करेंगे
आत्मविश्वास रखकर कन्फ्यूजन दूर करेंगे
उस पर विचार करके उसका समाधान करेंगे
तनाव एवं दबाव से मुक्त होकर रहेंगे।

हर विषय के प्रश्नोत्तर को लिखकर हम अभ्यास करेंगे
दोस्तों से हम न द्वेष करेंगे और न हम प्रतिस्पर्धा करेंगे
अपने से प्रतिस्पर्धा कर जीवन में हम आगे बढ़ेंगे
परीक्षा के डर को हम दूर भगाएंगे।

अभिभावकों से विनती है कि बच्चों की तुलना ना करेंगे
तुलना से बच्चे भी आगे न बढ़ पाएंगे
स्वस्थ जीवन शैली से ही सफ़लता हम पाएंगे
नियमित व्यायाम मधुर संगीत से हम तनाव मुक्त कर पाएंगे
परीक्षा के डर को हम दूर भगाएंगे
प्रधानमंत्री जी के मंत्रों को अपनाएंगे।

वेदांत साहू
VIII
केन्द्रीय विद्यालय कुरूद

परीक्षा के दबाव में है हृदय बेहद बेचैन

परीक्षा के दबाव में, हृदय बेहद बेचैन,
सही दिशा में बढ़ने का, हो सही तरीका चयन!

प्रेरणा लो किताबों से, सफलता की कहानियों से,
आत्म-समर्पण से भरो स्वयं को और बनाओ मजबूत हुनर से!

हंसो और हंसाओ, सभी तनाव को दूर भगाओ,
दोस्तों के साथ मिलकर, आत्मा को संजीवनी पाओ!

परीक्षा की रातों में, शांति की राह तलाशो,
नींद को बुलाओ, अच्छे सपनों में कहानी बनाओ!

समझाओ खुद को, हर गलती को सबक समझो,
सीखो और सीखाओ, तब ही तो तुम बनोगे सफलता के हक़दार योग्य!

सविता हरिजन
IX
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 बेलगावी छावनी बेंगलुरु

करो एक नई शुरुआत

पूरे वर्ष हम करते हैं
किताबों के साथ मेहनत
और जब नज़दीक आती है परीक्षा
तो हो जाते हैं हम परेशान
रहने लगते हैं खोए-खोए से दिन- रात
तभी एक दिन श्री मोदी जी
करते हैं मन की बात
और बोलते प्यारे बच्चों
क्यो तुम सब परीक्षा से इतना डरते हो
परीक्षा के दबाव में
क्यों खोए से रहते हो?
करते हैं हम नई शुरुआत
परीक्षा पे चर्चा में करेंगे बात
जीवन में खुश रहने की
हर क्षण को खुशी से जीने की
परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने की
प्रधान मंत्री जी करते हैं बात।
जब भी कठिन समय आए
करो एक नई शुरुआत ,
करो एक नई शुरुआत।

अक्षरा के एल
IX
केन्द्रीय विद्यालय, राजेंद्र रोड, उदुमलपेट तिरुपुर जिला

जब परीक्षा हो सर पे

जब परीक्षा हो सर पे,
तब तनाव से तंग
उन बच्चों की आवाज
ये कविता लिए अपने संग
वो रात में बहते आँसू,
और मेहनत चार बजे भोर की कहानी रात के सन्नाटों
और सुबह के शोर की।
वो मोटी-मोटी किताबें
जिन्हें देखकर सर चकराते,
वो लम्बे – लम्बे उत्तर
जो नींद में भी डराते।
बिना हथियार के कैसे लड़े?
ये परीक्षा नामक युद्ध घमासान इस उलझे प्रश्न का
'परीक्षा पे चर्चा' है समाधान।
स्वयं प्रधानमंत्री जी ने
थामा विद्यार्थियों का हाथ,
हमारे प्रश्नों को किया हल
जो करी हमसे बात ॥

कुमार हर्षवर्धन
IX
केन्द्रीय विद्यालय गोपालगंज

परीक्षा पे चर्चा: अनुभव की वर्षा

प्रेरणा की लहर,
अनुभव की वर्षा,
हम सबकी प्यारी,
परीक्षा पर चर्चा।

ज्ञान की भाषा,
जीवन की आशा,
शक्ति एक अनोखी,
दूर है हताशा,
मोदी जी की बानी,
जीवन है हर्षा,
परीक्षा पर चर्चा।

व्यथा और पीड़ा,
परीक्षा का दवाब,
अनोखे हैं उत्तर,
नही मोदी जी का जवाब,
अनुपम एक ज्योति,
बहती है सहसा,
परीक्षा पर चर्चा।

सुरभि सिंह
IX
पीएम श्री के. वि. क्र. 2, चंडीमंदिर

हाय रे ! परीक्षा

जिस नाम को सुनते ही काँपता है हर बच्चा,
वो है परीक्षा
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है कि अच्छा नहीं किया,
तो घर में पिटना पक्का है
3 घंटे में करने होते हैं सब सवाल,
एक भी छूटा,तो घर में होगा बवाल !
रिजल्ट के एक दिन पहले,
रात को नींद नहीं आती है,
अच्छे अंक पाने को भगवान की याद आती है।
रखते हैं विद्यार्थी भगवान का व्रत,
अगर फेल हुए तो
लगता है होगा,
"डंडे से नृत्य .....
पास होने पर मिलती नहीं प्रशंसा,
फिर आती है अगली कक्षा,
तब भी मन में रहता है,
"हाय ! रे परीक्षा"।

मोदी जी की 'परीक्षा पे चर्चा' ने
मन का भार कुछ कम किया,
अभिभावक और बच्चे का मेल कराया...
बच्चे को बस पढ़ने दो,
दूसरों से न तुलना करो,
उसका ध्यान रखो पर रोकटोक न करो,
अध्यापक दिशा दिखाएंगें तो
बच्चे मेहनत कर पायेंगें ....
जीवन की इस परीक्षा में
आत्मविश्वास से भरकर परीक्षा दे पाएंगें !
सब का साथ मिलेंगा तो
परीक्षा का डर खत्म होगा ....
आगे सब बढ़ पाएंगे .....
हाय ! रे परीक्षा भूल जाएंगे।

अनीशा सरकार
IX
पीएम. श्री के. वि. क्र. 2, चंडीमंदिर

परीक्षा से नई ऊंचाइयों तक

घना तिमिर है संशय गहरा उद्वेलित है मन,
कौन दिखाए दीपक ऐसा छंट जाये सब तम।

एक यशस्वी पीएम ऐसा जिसने राह दिखाई,
युवा मन की सभी गुत्थियाँ पल में दी सुलझायीं।

जीवन एक परीक्षा मित्रों इससे क्या घबराना,
स्वस्थ प्रतियोगिता याद रखो जीवन में तुम अपनाना।

परीक्षा की भी तुम ले लो परीक्षा ऐसी तरकीब सुझाई,
युवा भारत के स्वप्निल सपनों को दे दी नयी ऊंचाई।

अभिभावक भी सुन लो भैया ऊँचे अरमान न पालो,
बच्चों के नन्हें कंधों पर नाहक बोझ न डालो।

नाहक बोझ न डालो उनको मस्ती में रहने दो,
खेल-कूद और नवाचार की गंगा में बहने दो।

आओ करें कुछ ऐसा कि सब सपने हों साकार,
परीक्षा न हो बाधा बल्कि उत्सव हो हर बार।

तभी बनेगा विकसित भारत चहुंओर मिले सम्मान,
एस युगद्दष्टा जन नायक को शत-शत बार प्रणाम।

वेद प्रकाश
IX
केन्द्रीय विद्यालय अमहट सुल्तानपुर

परीक्षा: एक चुनौती

जब-जब आती है परीक्षा,
दबाव में भूल जाते हैं हम सारी दशा।
पढ़ते-पढ़ते बीत जाते हैं दिन,
मिट जाती है भूख और प्यास,
सभी विषयों का लंबा - चौड़ा पाठ्यक्रम,
बिगड़ जाता है मानसिक संतुलन।
सबको होती है, अच्छे अंकों की आस,
इस तनाव से मन हो जाता है निराश।
अच्छे से पढ़ो, मेहनत करो, हर कोई कहता,
पर मेरी समस्याओं को कोई नहीं समझता।
हमें इन समस्याओं को हल करने का मिला ज्ञान,
जब हमारे प्रधानमंत्री जी ने,
चलाया परीक्षा पे चर्चा का अभियान।
मिला हमें हर समस्या का हल,
उनकी प्रेरणा भरी बातों से आती है मुस्कान हर पल,
जिसे धारण करने से उज्जवल होता हमारा कल।
अब करेंगे सभी निराशाओं का निदान,
और भरेंगे एक नई उड़ान।
क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री जी की बातों मे है, हर समस्या का समाधान।

इशरत जहां
IX
गुवाहाटी संभाग

परीक्षा पर्व

आओ परीक्षा पर्व मनाएं
खुशी से आगे कदम बढाएं।

मेहनत संग धैर्य और ध्यान
सफलता की है पहचान
संकल्प नया लेकर हम
छू लेंगे सारे आयाम,
सुदृढ बन कर हम दिखलाएं
खुशी से आगे कदम बढाएं।

अच्छा भोजन अच्छी नींद
स्वास्थ्य सही हम रखें
तन - मन स्वस्थ बना
फल सफलता का चखें
खुद समझें औरों को भी समझाएं
खुशी से आगे कदम बढाएँ।

नेहा भारती
IX
कोलकाता, संभाग

परीक्षा पे चर्चा: एक नई सोच

केंद्रीय विद्यालय की कक्षा में, ईशान नामक छात्र खड़ा,
पीपीसी 2024 का महत्वपूर्ण संदेश सुना रजत वाणी से भरा।
प्रधानमंत्री मोदी की आवाज से, छात्रों का दिल भरा है,
परीक्षा के दिनों में राहत, और सफलता के मंत्र सिखाया है।

दोस्तों के साथ खुशियों की बौछार, पीपीसी की ये सुबह नयी,
आदर्शों की सीख और सपनों की आस, इस खूबसूरत यादों को बुनो।
हार-जीत की हो यह प्रेरणा, सभी का निर्माण एक संग,
पीपीसी 2024, हर छात्र का इस संगठन में, आशीर्वाद और उत्साह का मेला।

माता-पिता को मोदी की यह सलाह, छोड़ दें निर्माण की शान,
बच्चों के लिए हर एक का है अलग, उन्हें मिले न किसी संग।
दोस्तों के साथ पूरी करें ये आकांक्षा, और सपनों का हो अभिलाषा,
पीपीसी की ये धुन, चारों दिशाओं में गूंजे, छात्रों का उत्साह और ध्यान।

दोस्तों के साथ खुशियों की बौछार, पीपीसी की ये सुबह नयी,
आदर्शों की सीख और सपनों की आस, इस खूबसूरत यादों को बुनो।
हार-जीत की हो यह प्रेरणा, सभी का निर्माण एक संग,
पीपीसी 2024, हर छात्र का इस संगठन में, आशीर्वाद और उत्साह का मेला।

मो. ईशान आलम,
IX
शिवाजी सदन केन्द्रीय विद्यालय अररिया

ज़िंदगी का हिस्सा परीक्षा

ज़िंदगी का हिस्सा परीक्षा,
निर्णय लेती जीवन का।
कदम-कदम पे होती चर्चा
करने अंत वह भय का
बैठे हाथ थामकर,
देखने को परिणाम।
निकलेगा नया सूरज
या होगी एक और शाम।
निकला ढलने वाला सूरज
उगने वाला नहीं
मेहनत करी थी पूरी
फिर भी रह गई कमी
लगी टूटने उम्मीदें,
छाने लगा अंधेरा।
भूल मत पर्दा है ढका
है और भी मौका सुनहरा
खत्म करें शक्तियों का खर्चा
आओ करें परीक्षा पे चर्चा।

नन्दैबम याईफालेंबी
VIII
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 इम्फाल, मणिपुर

मंजिल

कुछ करना है, तो डट कर चल थोड़ा दुनिया से,
हट कर चल लीक पर तो सभी चल लेते, हैं,
कभी इतिहास की पलटकर चल।
बिना काम के मुकाम कैसा? बिना मेहनत के दाम कैसा?,
जब तक न हासिल हो मंजिल, तो राह में आराम कैसा ?

सोच मत साकार कर
अपने कर्मों से प्यार कर
मिलेगा तेरे कर्मों का फल
किसी और का ना इंतजार कर

अर्जुन सा निशाना रख,
मन में न कोई बहाना रख
लक्ष्य सामने है, बस उसी पर ठिकाना रख।

जो चले थे अकेले
उनके पिछे आज मेले हैं
जो करते रहे इंतजार
उनकी जिंदगी में आज भी झमेले हैं।

लोहा जितना तपता है, उतनी ही ताकत भरता है।
सोने को जितनी आग लगे, वो उतना प्रखर निखरता है।
हीरे पर जितनी बार लगे, वो उतना खूब चमकता है।
मिट्टी का बर्तन पकता है, तो धुन पर खुल खनकता है।
सूरज जैसा बनना है, तो सूरज जितना जलना होगा ---2
नदियो सा आदर पाना है, तो पर्वत छोर निकलना होगा।
और हम आदम के बेटे हैं...2

क्यों सोचे राह सफल होगा
ज्यादा वक्त लगेगा पर संघर्ष जरूर सफल होगा।

आदित्य चौधरी
VIII
केन्द्रीय विद्यालय बी.एस.एफ-अरधपुर, मालदा

मोदी जी ने जानी, बच्चों की परेशानी

मोदी जी ने जानी, बच्चों की परेशानी।
परीक्षा के समय होता है बुच्चों को तनाव,
मम्मी-पापा ने डाला बच्चों पर दवाब
मम्मी पापा को बच्चों से उम्मीद कि होना तुम अच्छे अंको से उत्तीर्ण।

इन समस्याओं को सुलझाना नहीं था आसान,
मोदी जी ने किया परीक्षा पे चर्चा का एलान।
एक ऐसा आयोजन, जहाँ करते है मोदी जी बच्चों का मार्गदर्शन।
कहते हैं मोदी जी घबराओ नहीं, घबराओ नही

विश्वास रखो, आत्मविश्वास
रखो डरो नही तुम बढ़े चलो तुम करे चलो तुम करे चलो
बाधाएं आएगी जरूर, सफलता मिलेगी जरूर।
रंग ढलते रहेंगे, मौसम बदलते रहेंगे मौके मिलते रहेगे, मौके मिलते रहेंगे।

डग मगा जाना न तुम, शिखर पार कर जाओगे तुम जरूर।
मोदी जी ने ने ठानी, बच्चो को ये सारी बाते है समझानी।
इसलिए परीक्षा पे चर्चा हर बच्चे को है दिखानी, मोदी जी ने जानी, बच्चों की परेशानी।

गार्गी चौधरी
IX
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र.3 बाद मथुरा

मोदी सर की क्लास-2024

लो फिर आ गई परीक्षा मन में संशय घिरे अनेक,
कैसे होंगे पास कैसे बुद्धि बनेगी तेज।

एक टीचर की थी दरकार, जो करें परीक्षा पे चर्चा,
हर डर भागे दूर, हंसते-हंसते पूरा हो हर एक पर्चा।

हम भारत के बच्चों का गौरव हैं अति श्रेष्ठ,
हमारे पास हैं मोदी सर, सभी शिक्षकों में सर्वश्रेष्ठ।

मोदी सर की क्लास में माता-पिता भी बन गए बच्चे,
सबको मिली नसीहत। क्या टीचर, पैरेंट्स, क्या बच्चे।
सीखा हमने परीक्षा का दूर कैसे हो डर,
कौन से गुर अपनायें कि, बन जाए परीक्षा एक महापर्व।

थोड़ा-थोड़ा पाठ करें और लिख- लिख कर फिर याद करें,
समय का सदुपयोग करें, समझकर पढ़ने का अभ्यास करें।

मोदी सर ने कहा थोड़ा खेलना भी जरूरी है,
थोड़ा-थोड़ा पाठ करें और लिख लिख कर फिर याद करें,
समय का सदुपयोग करें, समझकर पढ़ने का अभ्यास करें।

मोदी सर ने कहा थोड़ा खेलना भी ज़रूरी है,
घर का खाना और अच्छी नींद ना हो तो, हर तैयारी अधूरी है।

माता-पिता को बच्चों पर भरोसा भी करना होगा,
बच्चों संग हंसना, बोलना, कुछ योग भी करना होगा।

घर का माहौल पर्व सा हो, उमंग उल्लास का रंग भरना होगा,
अनुशासन और प्रोत्साहन से, स्ट्रेस दूर करना होगा।

हर स्वप्न होगा साकार, जब बच्चे और टीचर चलेंगे साथ,
हर कठिनाई एक चुनौती है, इसे हम मिलकर करेंगे पार।

मोदी सर की क्लास ने भर दिया ऐसा आत्मविश्वास,
जीवन की हर परीक्षा देने को हम बच्चे हैं तैयार।

सृजया श्रीवास्तव
X
पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय महू, इंदौर

प्रधानमंत्री का संदेश सुनो

प्रधानमंत्री का संदेश सुनो,
शिक्षा की दिशा में नए सपनों को चुनो,
प्रेरित करते ही वे, हौसले बुलंद करके,
सपनों को पंख दिखाते, मंजिल की ओर बढ़ाते।
परीक्षा के मैदान में हर एक बच्चा,
जोश और उमंग से भरा,
छोटे से छोटे, बड़े से बड़े,
हर एक कदम, एक नए सपने की ओर बढ़ाते।
शिक्षा की रफ्तार को बढ़ाओ,
नए सपनों को अपनाओ,
परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से,
हर बच्चे के सपनों की उड़ान बढ़ाओ।
एग्जाम का डरछोड़ो, ज्ञान की ओर बढ़ो,
प्रेरणा से भरी, मंजिल की ओर बढ़ो,
सपनों को पंख दो, उनमें उड़ान भर दो,
परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से, नए उजाले की ओर बढ़ो।
प्रेरणा से भरी, प्रधानमंत्री की बातें,
हर बच्चे को हौसला दिलाते,
परीक्षा के माहोल में चर्चा की शुरुआत,
आओ करे हम प्रधानमंत्री के साथ, ज्ञान की राहो पर बाते।
विद्या और ज्ञान की बाते, अनमोल है यहाँ,
सपनों की उड़ान मैं जिलो की राह है यहाँ,
प्रेरणा से भरपूर, हौसला से बुलंद,
हर बच्चे का मन, खुशियों का तालाब है यहाँ।
आओ शुरू करे हम, नए सपने सजाना,
परीक्षा पर चर्चा से बच्चों को ज्ञान की ओर बढ़ना।

ऋषिका वर्मा
IX
केन्द्रीय विद्यालय मेहसाणा

मेरे सपनों का भारत

सो साल हो गए पूरे आजादी को,
भारत 2047 में , सपनों की खोज की राहों को।
मेरे सपनों का भारत

डिजिटल भारत, जहां नवाचार है सुदृढ़,
महिलाएं सशक्त, हर बंधन से मुक्त,

आर्थिक प्रगति, समृद्धि का प्रकाश,
विज्ञान, तकनीक और भारत का ही आकाश।

एक शक्तिशाली राष्ट्र, ऊँचा खड़ा,
दुनिया के लिए, जिसका नेतृत्व है सबसे बड़ा।

प्रदूषण मिटा, नीला आसमान है जहां,
शुद्ध हवा, प्राकृतिक सौंदर्य का आयाम है जहां।

भ्रष्टाचार की बेड़ीया , हर जगह से टूटी ,
भ्रष्टाचारी मानव की, इस देश में किस्मत फूटी।

समानता बनी रहे, एक नए सवेरे की ओर बढता देश,
हर प्राणी का हो कल्याण, यही है इसका संदेश।

लिंग, जाति, धर्म में कोई भेद नहीं, यही हमारा गीत,
विविधता में एकता, यही हमारी जीत।।

निकिता सोनी
IX
केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी अंता

Articles

Impressions of KV students and Teachers after attending PPC-2024

My Thoughts on 'Pariksha Pe Charcha'

Even though it's just a small four-letter word, the impact it has on students' lives is enormous. A student goes through a rollercoaster of emotions from the time the date sheet has been released to the day of the result; the pressure is constant. For some students, it's so much that they become prey to today's most common problems: Depression and Anxiety. But something has changed in the past few years, something has changed the mindset we had towards exams. And that something is 'PARIKSHA Pe CHARCHA'.

Pariksha Pe Charcha is an annual event held every year since 2018. During the event, the honorable Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, interacts with students, teachers, and parents from across the country and shares valuable tips on how to take board and entrance exams in a relaxed and stress-free manner.

And for sure it has proven to be helpful. I myself have experienced the change. From a young age, I was surrounded by my elder brothers and sisters who were quite afraid of boards, and now it's my turn to appear for the exam dreaded by everyone. Now I am witnessing and experiencing first hand fear. Even though I tell myself it's not a big deal, I can't help myself; I always end up becoming conscious and scared and start overthinking everything. Everyone I see around me is afraid of exams. Parents put a lot of pressure and their expectations are making it worse. All of this has naturally installed a sense of fear in me regarding exams and made my mind set negative. But ever since our Hon'ble Prime Minister has taken the initiative to hold PARIKSHA PE CHARCHA every year, my mind set has changed and now I no longer have the same fear for exams I had a few years back. I am sure many other students have also benefited from PARIKSHA PE CHARCHA in one way or another. The advice given by our Hon'ble Prime Minister, which I always remember, is that on the day of the exam, when you reach the center, close all the books and tell yourself that you have prepared everything and you remember everything. Then go inside the exam hall and sit quietly, familiarize yourself with the environment and if you start panicking, take deep breaths and tell yourself words of affirmation. And with a calm mind start your exam. This advice has not just helped me but other students as well.

Due to PARIKSHA PE CHARCHA, even the parents have become more supportive and changed their thinking regarding exams. On behalf of all the students who have been benefited, I would like to thank our Hon'ble PM, Shri Narendra Modi. Thank you, sir, for this wonderful work that you're doing for us. And for easing my board exam journey.

Leah Angiline Mathew
X
KV Dhamtari

It Is Crucial to Instill Resilience In Our Children And Help Them Cope With Pressures

The Prime Minister, Shri Narendra Modi interacted with students, teachers and parents at Bharat Mandapam in New Delhi today during the 7th edition of Pariksha Pe Charcha (PPC). He also took a walkthrough of the art and crafts exhibition showcased on the occasion. PPC is a movement driven by Prime Minister Narendra Modi's efforts to bring together students; parents' teachers and society to foster an environment where each child's unique individuality is celebrated, encouraged and allowed to express itself fully.

Pariksha Pe Charcha is an important initiative that is helping to raise awareness about the issue of exam stress. The event provides students with valuable information and guidance on how to prepare for exams and how to deal with exam stress. Pariksha Pe Charcha is also helping to create a more supportive environment for students. The event sends the message that exams are important, but they are not only the thing that matters in life. Students are encouraged to focus on their studies, but they are also encouraged to participate in extracurricular activities and to enjoy their lives.

Pariksha Pe Charcha is a valuable initiative that is making a positive difference in the lives of students. The event is helping to reduce exam stress and to create a more supportive environment for students.

Tanisha
XII
PM SHRI KVS, Tagore Garden

PPC: A Guiding Light For Indian Youth

Pariksha Pe Charcha, organized under the able leadership of our Prime Minister, was beneficial to all students. The answers given to the questions by our honorable PM were very insightful and motivating. Especially the way he explained the importance of competition with relevant examples was very relatable.

Though the program was held in Delhi at Bharat Mandapam, PM Sir connected with the whole country through online medium and answered their questions with great enthusiasm, which brought positive energy to all students, teachers, and parents, a true example of national integration. Throughout the year, we were busy with our daily schedules and made a few mistakes without realizing in our learning process, but this program guided us in the right way and made us rectiAfy our follies.

We are grateful to the PM of our country as he took out time from his busy schedule to interact with Indian youth and guide them towards the right direction. I appreciate the Indian government for taking an initiative like Pariksha Pe Charcha, which shows that the needs of students are taken care of and the future of our nation is in good hands.

Muskan Sajwan
XII
KV New Tehri Town

Susmita
IX B
KV AF-II Jamnagar

Pariksha Pe Charcha 2024: Guiding Students Towards Success

In the vibrant tapestry of academic life, the annual ritual of examinations takes center stage, inviting both anxiety and excitement. Amidst this academic symphony, “Pariksha Pe Charcha 2024” emerges as a guiding light, a beacon of wisdom bestowed by none other than the honorable Prime Minister. This unique discourse transcends the conventional, offering a kaleidoscope of mantras for success.

With infectious enthusiasm, the Prime Minister shares pearls of wisdom, urging students to embrace ‘Exam Warriors’ spirit. The mantras echo the power of positive thinking, resilience, and the importance of staying calm in the storm of exams. Emphasizing the role of self-awareness, he advocates for holistic development, where exams are just one facet of a multifaceted journey.

As students gear up for the academic odyssey, Pariksha Pe Charcha 2024 becomes a compass, navigating them towards success with its transformative mantras, igniting not just academic excellence but also a spirit of self-discovery and growth.

G.Venkatram
VII
KV Tirumalagiri

Pariksha Pe Charcha: A Initiative to Alleviate Exam Stress

We have lots of problems in our life. It can be different for different people. However, I am quite sure that for every student, one common problem is to maintain a positive mindset for our exams. To balance the stress and pressure and to sort out our worries, our Prime Minister, Mr. Narendra Modi, has started “Pariksha Pe Charcha”.

In this event, PM Modi engages with students, parents, and teachers to discuss exam-related stress. The initiative aims to provide a platform for open dialogue on handling exam pressure and fostering a positive mindset.

During these sessions, the Prime Minister shares insights, anecdotes, and tips to help participants overcome stress and perform better in exams. Pariksha Pe Charcha encourages a holistic approach to education, emphasizing the importance of extracurricular activities alongside academics.

The event has gained significance as a motivational tool fostering a supportive environment for students as they navigate the challenges of examinations. As a student myself, I assure you that watching or participating in Pariksha Pe Charcha will help you more than you can imagine.

Jai Hind!

Anshika Sonakiy
XI
KV Dindori

Surabhi Keshari
IX C
KV SEC.30 Gandhinagar

Pariksha Pe Charcha Leads The Stress-Free Way

Leave your stress and nervousness behind and get ready to set those butterflies in your stomach free. This movement is driven by Prime Minister Shri Narendra Modi's efforts to bring together students, parents, and teachers—the society—to foster an environment where the unique individuality of each child is celebrated, encouraged, and allowed to express itself fully. Inspiring this movement is Prime Minister Narendra Modi's groundbreaking, bestselling book 'Exam Warriors'. The Prime Minister urges everyone to put exams in the right perspective, rather than making them a life-and-death situation punctuated by undue stress and pressure. Learning should be an enjoyable, fun, and endless journey. Pariksha Pe Charcha is among the most exciting programs, giving an opportunity to discuss ways to make exams stress-free and support our exam warriors.

Medha Nautiyal
VIII
KV Afs Awantipur

Embrace Your Inner Warrior

In today's fast-paced world, adopting a warrior mentality can be your armor against the relentless onslaught of stress and anxiety. Rather than succumbing to worries, channel your inner Warrior to face challenges head-on. Warriors are known for their resilience and determination. Similarly, cultivating a resilient mindset can help you navigate life's uncertainties. Acknowledge your worries, but don't let them dictate your actions. Develop a battle plan for managing stress. Incorporate mindfulness techniques, exercise, and positive affirmations into your daily routine. These practices fortify your mental defenses, empowering you to confront challenges with a clear mind. Remember, worrying doesn't change outcomes. Instead of dwelling on what might go wrong, focus on what you can control. A warrior adapts to circumstances, making strategic decisions to overcome adversity. Embrace the warrior within and transform worries into opportunities for growth. By cultivating resilience, mindfulness, and a proactive mindset, you can navigate life's battles with courage and emerge victorious.

Anina Sannidhi
VI
Kendriya Vidyalaya Donimalai, Bengaluru

Dhrithi
IX D
KV Mysuru

Exam Warriors: Celebrating Exams As Festivals, Stress-Free Preparation For Success

“Laugh In, Laugh Out” is a mantra from the book “Exam Warriors,” written by Shri Narendra Modi, our honorable Prime Minister. In it, it is written that we should not take the stress of exams; it should be celebrated like festivals. Not only should we focus on studies, but we should also play, eat healthily, listen to music, and engage in arts to enjoy the exams. Also, we should study properly. We should not take any tension about the exams. We must give more time to study but at the same time find time for enjoyment too as it reduces our stress. We should also participate in all activities like songs, art, and many other things. In the “Exam Warriors” book, there are many mantras we can apply during these exam days. Happily, we should prepare for exams and score more marks in exams.

Chitra M
IX
KV Haveri, Bengaluru

Prime Minister Modi's 3 Key Lessons for Student Success

It is a movement that is driven by Prime Minister Narendra Modi's efforts to bring together students, parents, teachers and the society to foster an environment where the unique individuality of each child is celebrated, encouraged and allowed to express itself fully Inspiring this movement is Prime Minister Narendra Modi's pathbreaking, bestselling book 'Exam Warriors'. Through this book, the Prime Minister outlined a refreshing approach to education. Knowledge and holistic development of students are given primary importance. The Prime Minister urges everyone to put exams in the right perspective, rather than making it a life-and-death situation punctuated by undue stress and pressure. Prime Minister Narendra Modi on Monday attended the seventh edition of 'Pariksha Pe Charcha' at the Bharat Mandapam in Delhi, advising parents against treating their child's report card as their visiting card. He suggested that students should compete with themselves and not others.

PM Modi today shared valuable tips with students during his interaction at the 7th edition of Pariksha Pe Charcha.

3 lessons shared by Prime Minister Modi that can help a student taste the fruit of success.

1. Handling pressure: the first step toward success
He said, "With willpower, we can achieve success despite the pressure. The art of handling pressure must be adapted gradually and not hurriedly. Pressure should not be so much that it affects one's capabilities. We should not stretch to extreme levels"

2. Healthy competition necessary
Students should face challenges head-on and never get bogged down, the prime minister said. He added that even in the examination hall, one should not bother about how much his classmate is writing, rather he should focus on his performance.

3. A significant role of parents
During his interaction, Prime Minister Modi urged parents to avoid comparing the performance of their wards with that of the latter's friends or siblings as such a practice of "running commentary" often proves to be detrimental to a child's future.

Laxmipriya Pradhan
XI
PM SHRI KV Tughlakabad

Rudransh Kumar Meher
Class: X
KV No.1 Sambalpur

Compete With Yourself, Not With Your Friends

In a world saturated with social comparisons and peer pressure, the mantra “compete with yourself, not with your friends” stands as a beacon of individual progress and self-improvement. While healthy competition can sometimes serve as motivation, constantly measuring oneself against others often leads to dissatisfaction, anxiety, and an inaccurate gauge of personal success. Instead, shifting the focus inward, towards personal goals and self-betterment, fosters a mindset conducive to long-term fulfillment and growth.

The urge to compete with others is deeply ingrained in human nature. From childhood through adulthood, we are constantly bombarded with societal messages that reinforce the importance of out-performing our peers. Whether it’s in academics, careers, relationships or even social media metrics, the pressure to measures up to other can be overwhelming. However, this external benchmarking often overlooks the uniqueness of individual journeys.

In conclusion, completion with yourself, not with your friends, is the key to unlocking personal growth and fulfillment. By embracing a mindset of self-improvement and focusing on intrinsic motivation, individuals can chart their own path towards success and happiness. So, dare to challenge yourself, set audacious goals, and embark on a journey of self-discovery and transformation. After all, the greatest competition you’ll ever face is the one starting back at you in the mirror.

Sadia Jannat Laskar
XI
KV Silchar

My Experience with Pariksha Pe Charcha

Hi! I am Durga Kumari, a student of class 6, and I want to share my thoughts about “Pariksha pe Charcha.” This annual event is a big deal for us students because it’s not just about exams; it’s about how we can handle the stress and pressure that comes with them.

Last year, when our Prime Minister, Narendra Modi, talked to us during Pariksha pe Charcha, I learned so much. He told us stories from his own life and gave us tips on how to stay calm and focused during exams. One thing that stuck with me is his advice to not compare ourselves with others. Each of us is unique and has our own strengths.

The event also made me realize the importance of balance. Yes, exams are important, but so is having fun and pursuing hobbies. It’s all about finding the right balance between studies and play.

I also liked how the Prime Minister talked about the role of parents and teachers. They are our biggest supporters, and their encouragement means a lot to us.

Overall, Pariksha pe Charcha taught me that exams are just a part of life, and what’s more important is how we face them with confidence and positivity. I am grateful for this opportunity to learn from our Prime Minister and look forward to applying these lessons in my exams this year.

Durga Kumari
VI
Ranchi Region

Failures Must Not Cause Disappointment, Every Mistake Is A New Learning

Think back to a time where you fell down as a kid and no one was present there to help you out at that time so eventually you helped yourself up. How did you do it? Did you sat there waiting?

No, right that was the point your mind was prepared that life is all about ups and downs. Thus, like the downfall is not failure but a lesson learned from our short comings.

Failure doesn't define you. It never did. There are two to anything that's success and lesson there is no such thing as failure it is in fact a key to your achievement. Failure is ingredient to perfection. Just like that mistakes are the inevitable factor of our life. Though, it may lead you to be disappointed in yourself and also you start doubting in yourself but you should that you can make it till the very end with you potentiality.

Every failure brings a beautiful lesson we should learn to embrace it and keep learning. It is the crucial aspect of our hard work which has its own significance as per each person. It has no lesson with your strength and ability. Lastly, we should always keep learning from our mistakes and keep our consistency of getting better each day.

Rishita Mishra
XI
KV Silchar

Anshu kumari
IX B
KV Zirakpur

Poems

A Tale of Determination and Growth

In the quiet realm where textbooks lie,
A student dreams with determined eye.

Morning light breaks through the dawn,
A student's spirit, resiliently drawn.

Challenges rise like a mountain tall,
Yet within the student, determination calls.

Lectures echo with wisdom's grace,
As the student navigates each learning space.

Late-night study sessions, a silent plea,
To unlock the doors of possibility.

Dreams of success, a guiding star,
In the constellation of goals, near and far.

Exams may come with stress and strain,
But the student persists, undeterred by pain.

Motivation whispers in the silent nights,
Encouraging the student to reach new heights.

With every challenge faced, every test,
A student grows, becoming their best.

Motivation, the unwavering guide,
On the student's journey, side by side.

Samrat Chaoudhury
XII
PM SHRI KV Alipurduar JN

Navigating Exams Through Pariksha Pe Charcha

Pariksha Pe Charcha is important, it helps us clear our mind,
So that we don't walk into the wrong path, just like a blind.

Keeping our minds stress free, that is their goal,
So that we don't regret on how we got clean bowled.

Writing an exam is the stressful part of school,
Exams will come and go, don't be a fool.

Marks won't matter, that's what they all say,
But you'll realize its importance when you get the least pay.

Pariksha Pe Charcha is the firefly of the night,
It helps us make our future bright.

Learning is just like a Dance,
We just improve with every instance.

In the talk of exams, new lessons we find,
Pariksha Pe Charcha, echoes in our mind.

In the woods of wisdom, where shadows curve,
Find the jewel that we shall preserve.

Thejus Unnikrishnan
X
KV CRPF Yelhanka, Bengaluru

Tanishka Debnath
Class: VII
KV Binnaguri No. 02

Exams Have Arrived

Hey! Exams have arrived.
Not a thing that will make me surprised.
More like that of an alarm,
That always wakes me up from my calm.

There goes January
Here comes February
How about the time? You ask me
there its running, merrily.
I don't have a worry, or do I?
I can't justify, how much ever I try!
Lots of hopes attached to me,
More from others than from me, you see.

Is it just me?
Or there are others who agree.
That an exam is a box of mystery
and practice is its key.

The pen is my weapon
My hard work is my shield
And there I can see my results
beckon that have to be a fruitful yield.

My subjects are done
my doubts are none
Hey Exams! I am ready
like a shell in a canon.

Though exams have arrived.
I am not surprised.
For me it is an alarm,
That has woken me up from my calm.

Om Shankar
X
KV CRPF Yelhanka, Bengaluru

“Pariksha Pe Charcha” a Beacon Bright

In halls of ‘Pariksha Pe Charcha’ adorned with fervent light,
Where wisdom’s flame ignites the night,
On twenty-ninth of January’s grace,
We gathered ‘Neath the learning’s embrace.

Students rose, their heart a flight,
“O Prime Minister, in shadows bright,
We seek the courage to face the test,
And conquer fears that haunt our crest.”

With gentle wisdom, Modi replied,
“Dear seeker, let doubts subside,
For in each trial, a lesson’s traced,
In every challenge, grace embraced.”

“Technology, a friend, not foe,
Embrace its power, let your knowledge grow.
Create a no mobile zone, at home,
Let’s make technology’s use wholesome.”

Peer pressure’s weight, we all feel,
But cooperation is the real deal.
Learn from each other, let knowledge flow,
In this journey of growth, let us all grow.

‘Pariksha Pe Charcha’, a beacon bright,
Guiding us through, exam night.
With Modi’s words, we take flight,
Towards success, with all our might.

Aarav Kumar
VIII
KV SSB Gwaldam

Tahrim Falak
IX D
KV Southern Command Pune

Conquer Your Fears

Along the way
We do than just pray
We bind our minds to remind
The next time we have to work even more hard to defeat our previous rank
Compete with yourself and not with anyone else this is what the mantra demands
We understand rather than just learn
We question rather than just by heart
We prefer to stay consistent rather than pulling an all-nighter
'cause we know it's more important to be an exam warrior than being an exam worrier
Stress kills our interest
Thus, it's obligatory to take rest and do our best
This is what the mantra demand
Amidst the enjoyment exam comes as an amendment in the case of many
Fall in love with the subjects
Thus, you will get to know a new fun reality
Where fear fears to enter
Do the undone
Master the unknown
Read the never-read
Be the kind of warrior you have never been
Conquer your fears and be the version of you that no one has ever seen
Be the real exam warrior...

Azmeera Fathima
XI
PM SHRI KV SAP Trivandrum

Our Favourite PPC

With the seventh episode of PPC
Comes to every student's mind
Great carefreeness and energy
A chance to finally unwind

Crowding in the darkened hall
We lend our earnest ears
To our PM standing proud and tall
As he slowly soothes our fears

Fears of hard hours spent at Night
Mind chocked with chapters long
Devoid of every earthly delight
Smacking our heads at answers wrong

Yet as we hear our PM speak
These fears our put to rest
No longer are we helpless or weak
When our exams are big fest

Bipashna Bhattacharya
XI
KV IIT Kanpur

MILENDRA KUMAR SEN
9th
KY MAHRATPUR KAWARDHA

A Time to Rejoice

Examination is to enjoy,
Not to stress and fret,
They are not the end of life,
Not even a milestone.

The only thing to be done,
Is to utilise the opportunity,
To know the subject deeply.
So dive in, not leaving the nooks and corners,
And come out with pearls,
The seeds of your life.

It is not a struggle with books,
But a rapport with each page.
The more you turn the pages,
The more you get lost,
In the magic world of knowledge.

Yes, that is the real learning,
Understand each concept,
To make your onward journey a passion.

Ignore the criticism, ignore the expectations,
Ignore the standard set by others.
Ignore the toppers list, and tell yourselves,
The outcome, the application, the success
That you built out of all these is that, that matters the most.

So let us walk into the hall of examination with confidence,
Peace and tranquility of mind.

Haritha H
XII
Ernakulam Region

Rise And Shine

In the realm of exams, where challenges arise,
We strive for success, with determination in our eyes.
Though mountains of books may seem daunting and tall,
We'll conquer them all; we'll rise above it all.

With each question faced, we learn and we grow
With every challenge, our knowledge does show.
For in the pursuit of our dreams and our goals,
We'll weather the storms, with heart and soul.

In the quiet of study, with focus and might,
We sharpen our minds, we prepare for the fight.
For exams are but steps on our journey's trail,
And with each passing test, we shall prevail.

So let motivation guide us, let passion ignite,
As we navigate through the darkness, towards the light.
For in the end, it's not just about the grade,
But the knowledge gained, and the progress made.

Sahitya
XI
PM SHRI KV Tirumalagiri

Sohana Ghosh
VI
KV No. 2 ONGC, Agartala

You and Only You

When sadness covers your heart and mind
Just collect yourself and don't anything find,
Because you are the only one to help you,
Don't depend on others, have your own view.

Troubles are the hurdles of life's race,
But don't you decrease your steady pace,
Just keep marching towards your destination,
One day you'll surely overpower life's examination.

You are the master of your own fate,
You have the power to open any gate,
If you possess strong and firm determination,
You can achieve the strength to clear any examination.

Only difficulties will bring your real character on surface,
If you live in luxuries, how will you crisis face?
Sweet is the uses of adversities, even Shakespeare says,
Just challenge all the challenges and get counted all your days.

Nikita Kumari
XI
PM SHRI KV No.1 Shahibaug, Ahmedabad

The Story of Exams

As the clock struck one
It was time to run
Exam begins by one
And I was done.

In the last minute revision
I understood I knew nothing
Decided to pursue my vision
Thought of attending everything.

The exam was easy or tough
I am done with my answers
No matter right or wrong
I wrote what I knew.

My own effort in my paper
And no one else's
This brings happiness and satisfaction
That the marks I got are only mine.

My mind said
Be calm
Never bother about the past
And focus on the future.

Never take stress as
It is a waste of time
It is a waste of energy
It reduces mental peace.

Go ahead
Exams are not a dead end
A part of life
That everyone has to face.

Inu C
XI
KV No. 1 CPCRI Kasaragod

Exam is a Joy

Exam is a joy,
Where we know and try,
And a place where one should never cry.
Everything seems familiar to us,
But our nervousness makes us miss the bus,
But at the end happiness comes back to us!
We have a tension of whether we will pass,
So, we pay no attention in the class,
We are just lost in our own thoughts!
We think about what we have learnt in past,
So that, we can recall our answers fast.
And the paper is completed at last!
After the exam we heave a sigh of relief,
And within our self we get a familiar belief,
We get a chance to play & bounce,sleep & drouze
After the exam we are free,
Whether we go after a bee, or climb up a tree,
Then we go to the world of dreams,
And eat chocolate & strawberry ice-creams!

Surabhi Datta
XI
PM SHRI KV RHE, Pune

Exam is a Celebration

When the exam is near,
Dare not to fear.
Children shiver with worry
The whole day is weary.

Eyes shed tears,
Passed the whole year.
If worked hard earlier
Have been happier.

Face the exam with might,
You may become very bright.
We are the future,
The best forever.

Aniket Kumar Chaudhary
VII
KV Chirimiri

PPC:Positive Energy Filler

When the Session ends
A student wends
Shows a lot of determination
To prepare for examination

We all feel stressed
And everything seems messed
There's no time to waste
As we are being raced

Then just before our exam
'PARIKSHA PE CHARCHA' by our Prime Minister came to rescue
Taught us there's no need to cram
Just find what works best for you

We learnt that technology is a boon not a curse
It's in our hands if we make it worse
Celebrate an exam like a festival
And try not to get tangle
Competition is the best part of life
That's how we lean to thrive
Working on ourselves continuously
And taking decisions constantly

Marks do not matter
But that doesn't mean should smatter
Just try to give your best
Because it's just a test.

Shrey
VIII
KV Sonpur

In the Light of Learning

In the quiet corners of our minds,
Where doubts and fears are intertwined,
There comes a gentle, guiding light,
Turning our darkest nights to bright.

"Pariksha Pe Charcha" is its name,
A dialogue that ignites the flame.
Of hope and courage, strength and grace,
In every student's heart, it finds a place.

Exams are not just tests of rote,
But life's lessons, in each note.
Not to measure, but to understand,
With every question, a chance to expand.

The Prime Minister leads this noble quest,
Encouraging us to do our best.
Not in marks, but in the journey we partake,
Learning from each mistake we make.

Parents, teachers, join hands too,
Your support and love see us through.
In your guidance, we find our way,
Brighter becomes every day.

So let us embrace this conversation,
With open hearts, across the nation.
For in "Pariksha Pe Charcha" we find,
The power to conquer the tests of mind.

With every challenge, we grow, we rise,
Above the fears, to the skies.
For in the light of learning, we see,
Not just who we are, but who we can be.

Chanchala Kumar
IX
KV No. 2 Dhanbad

New Times, New Ways

In the hustle of exams, stress weighs heavy,
But along comes "Pariksha Pe Charcha" oh so savvy!
Prime Minister's words, a guiding light,
In the midst of chaos, they shine so bright.

In class nine, with books piled high,
Anxieties soar, reaching for the sky.
But Modi ji's wisdom, like a gentle breeze,
Calms our nerves, puts us at ease.

"Time management," he says with a smile,
"Stay positive, go the extra mile."
With each word spoken, a burden lifts,
Hope blooms anew, like springtime gifts.

So here's to "Pariksha Pe Charcha," our saving grace,
In this journey of exams, it sets the pace.
With Modi ji's guidance, we'll surely find,
Success and joy, in the exam grind.

Subal Adhikari
IX
KV NIT Agartala

Thousands Creativity Unleash in Parakram Diwas

Painting Contest

In a colorful tribute to Netaji Subhas Chandra Bose, thousands of students from Kendriya Vidyalayas nationwide showed their talent in a special Painting Competition on Parakram Diwas. Inspired by the wisdom from “Exam Warriors” and Netaji’s principles, young artists produced the themes of courage, resilience, and overcoming exam stress. With over 61,000 participants across various educational boards, the event highlighted the enduring relevance of Netaji’s ideals in today’s youth. Social media buzzed with vibrant artworks, echoing Netaji’s call to harness the power of creativity for a brighter future.

KVS Painting Competition Garners Media Spotlight

पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

केंद्रीय विद्यालय में पेंटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नव भारत

परीक्षा पर चर्चा: चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बिखेरे कला के रंग

सिटी भास्कर | शहडोल

केन्द्रीय विद्यालय शहडोल में परीक्षा पे चर्चा के अंतर्गत निर्धारित 25 थीम (उपविषयों) पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर चित्रकला प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। प्रतियोगिता में जिले के 64 प्रतिभागी विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों से, 3 शासकीय विद्यालय से, 30 केन्द्रीय विद्यालय से तथा 3 प्रतिभागी नवोदय विद्यालय से सम्मिलित हुए। विशिष्ट पांच प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र व राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित पुस्तक पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नैन्सी रापते केवि धनपुरी ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर इरम फातिमा कारमेल कान्वेंट स्कूल, तृतीय स्थान पर हर्षित सिंह डीएवी स्कूल, चतुर्थ स्थान स्नेहा द्विवेदी केवि शहडोल व पंचम स्थानअक्सा अहमद केवि धनपुरी ने हासिल किया।

पराक्रम दिवस के रूप में मनाई सुभाषचंद्र बोस जयंती | केन्द्रीय विद्यालय में 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में सुभाष चन्द्र बोस जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम प्राचार्य सहित शिक्षकों ने सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा प्रकट की। इस मौके पर प्राचार्य ने सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके जीवन से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। नेता जी का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक उड़ीसा में हुआ था। उन्होंने 1942 में जापान के सहयोग के साथ आजाद हिन्द फौज की स्थापना की। उनके दिए हुए नारे दिल्ली चलो, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा आज भी लोगों को प्रेरणा से भर देता है। इस अवसर पर पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। कक्षा सातवीं की छात्रा वैदेही के द्वारा नेता जी भूमिका का उत्तम निर्वाहन किया गया।

News

केंद्रीय विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता

पत्रा भास्कर

केन्द्रीय विद्यालय में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, पद्मजा ने पाया पहला स्थान

100 के बीच बेस्ट पांच प्रतिभागियों को चयनित कर किया गया सम्मानित

'परीक्षा पे चर्चा' के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कैनवास पर उकेरे अपने मनोभाव

योद्धा की तरह परीक्षा दें...चिंता न करें...

कैनवास पर सजे आए खूबसूरत रंग

News

केंद्रीय विद्यालय में प्रधानमंत्री के परीक्षा मंत्र पर हुई कला प्रतियोगिता

परीक्षा पे चर्चा के तहत हुआ आर्ट व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

देश के विकास में सर्वाधिक सहायक सिद्ध होंगे होनहार : डॉ एम

केन्द्रीय विद्यालय में चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन

केवि न्यू बंगाईगांव में चित्रकला प्रतियोगिता

छात्र छात्राओं ने दिखाया अपना हुनर, केन्द्रीय विद्यालय में चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित

News

छात्रों ने पोस्टर में भरे उम्मीदों के रंग

प्रतियोगिता

[illegible]

[illegible]

कला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाद न्यूज एजेंसी

केंद्रीय विद्यालय दुबकसान में हुआ आयोजन

हाथरस। सोमवार को केंद्रीय विद्यालय और पंडित दीनदयाल उपाध्याय मॉडल इंटर कॉलेज दुबकसान में पराक्रम दिवस के अवसर पर परीक्षा पर चर्चा के तहत कला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कला प्रतियोगिता में पहला स्थान जागृति सिंह (केंद्रीय विद्यालय हाथरस) ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान [illegible] वार्ष्णेय (सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज, हाथरस), तृतीय स्थान आकांक्षा कुमारी (एमएलडीवी पब्लिक इंटर कॉलेज, हाथरस) और सांत्वना पुरस्कार मान्या चौधरी (सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज) व वर्तिका चंद्रा (केंद्रीय विद्यालय) के नाम रहा। निर्णायक की भूमिका में उमेश कुमार, [illegible] सिंह, हरिओम, ड्राइंग प्रवक्ता चरणजीत सिंह रहे। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ओम कुमार सिंह तैलंग ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

केंद्रीय विद्यालय में पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता छात्राएं। संवाद

[illegible]

चित्रों के जरिये बच्चों ने परीक्षा को बताया उत्सव

[illegible]

दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

केंद्रीय विद्यालय कैंट में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल छात्राएं।

अमृत विचार। पीएम नरेन्द्र मोदी को छात्रों के प्रति विशेष रुची रहती है। सोमवार को प्रधानमंत्री की बहुचर्चित चित्रकला प्रतियोगिता परीक्षा पे चर्चा से पहले पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन शहर के केंद्रीय विद्यालयों की गई। प्रतियोगिता में 18 स्कूलों के सौ छात्रों ने प्रतिभाग कर चित्र बनाए। इसमें पांच छात्रों को बेहतरीन पेंटिंग के लिए पुरस्कृत किया गया।

कैंट स्थित केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को पराक्रम दिवस से पूर्व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता पीएम मोदी के प्रमुख कार्यक्रमों में एक है। इस प्रतियोगिता में शहर के 18 स्कूलों के करीब एक सौ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान केंद्रीय विद्यालय कैंट के प्राचार्य सोमपाल ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को प्रेरित किया । उन्होंने बताया प्रथम पांच स्थान पर आने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया। इस दौरान बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, पानी बचाओ, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ आदि पर चित्र बनाकर समाज को संदेश दिया। उन्होंने कहा प्रतियोगिता में 25 विषय दिए गए थे, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने चित्रकला बनाई। केंद्रीय ओईएफ की प्रियांशी पहले, ऑक्सफोर्ड मॉडल स्कूल की सौम्या दूसरे और केआर एजुकेशन सेंटर की छात्रा मुस्कान पुरी तीसरे, चौथे पर अनामिका कुमार, पांचवे पर कल्पना निषाद रहीं।

News

लोकमत समाचार

केंद्रीय विद्यालय में चित्रकला स्पर्धा 23 को

नागपुर: अजनी स्थित केंद्रीय विद्यालय में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी को किया जाएगा.

प्रतियोगिता में नागपुर संकुल एवं जिले के 14 सीबीएससी विद्यालय एवं 12 केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी भाग लेंगे. इस चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 'परीक्षा के तनाव को कैसे कम करें' इस विषय पर किया जा रहा है. कार्यक्रम का संयोजन कला शिक्षिका संगीता साखरे, प्रसन्ना भास्कर एवं दिनेश छपाने द्वारा किया जा रहा है.

প্রধানমন্ত্রীৰ পৰীক্ষা যোদ্ধা, ৰঙিয়া কেন্দ্রীয় বিদ্যালয়ৰ থিতাতে ছবি আঁকা প্রতিযোগিতাত

দৈনিক আমাৰ প্রণামসেৱা, ৰঙিয়া ২৩ জানুৱাৰী ঃ প্রধানমন্ত্রীৰ exam warriors (পৰীক্ষা যোদ্ধা)ৰ মন্ত্রৰ ওপৰত কেন্দ্রীয় বিদ্যালয় সংগঠনৰ উদ্যোগত সোমবাৰে (২৩ জানুৱাৰীত) ৰঙিয়া কেন্দ্রীয় কেন্দ্রীয় বিদ্যালয়ত থিতাতে ছবি আঁকা প্রতিযোগিতা অনুষ্ঠিত কৰা হয় । আজি দিনৰ ১০ বজাৰ পৰা ১২ বজালৈ নৱম শ্রেণীৰ পৰা ওপৰৰ ক্লাছৰ কেইবাগনো বিদ্যালয়ৰ ১০০ গৰাকী ছাত্র-ছাত্রীৰ মাজত অনুষ্ঠিত চিত্রাংকন প্রতিযোগিতাখন আনুষ্ঠানিকভাৱে মুকলি কৰে ৰঙিয়া কেন্দ্রীয় বিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ পুৰুষোত্তম সিনহাই । উক্ত থিতাতে ছবি আঁকা প্রতিযোগিতাত জৰাহৰ নৱোদয় বিদ্যালয়, কামৰূপৰ ছাত্রী শ্রুতি কলিতাই প্রথম, ৰঙিয়া কেন্দ্রীয় বিদ্যালয়ৰ ছাত্রী কনাক্ষী ডেকাই দ্বিতীয়, চার্ছ পাব্লিক স্কুলৰ ছাত্র সৌৰভ জ্যোতি বৰুৱাই তৃতীয়,ফাতিমা কনভেন্ট উচ্চতৰ মাধ্যমিক বিদ্যালয়ৰ ছাত্র নুপুৰ ইংতিপিয়ে চতুর্থ আৰু ৰঙিয়া কেন্দ্রীয় বিদ্যালয়ৰ ছাত্রী অনামিকা ৰামছিয়াৰীয়ে পঞ্চম স্থান অধিকাৰ কৰে । প্রতিযোগিতাৰ অন্তত অধ্যক্ষ পুৰুষোত্তম সিংহাৰ সভাপতিত্বত অনুষ্ঠিত বঁটা বিতৰণী সভাত উক্ত স্থান লাভ কৰা পাঁচ গৰাকী ছাত্র- ছাত্রীকে প্রমাণ পত্রসহ বঁটা প্রদান কৰা হয় । বঁটা বিতৰণী সভাত ভৱজিৎ বৰ্মন, সুৰেন ডেকা,বন্দনা তালুকদাৰকে ধৰি কেইবাগৰাকী বিশিষ্ট ব্যক্তিয়ে উপস্থিত থাকি প্রধানমন্ত্রীৰ books of exam warriors সম্পর্কত বিস্তৃত ব্যাখ্যা আগবঢ়ায় ।

PPC 2024: Hon'ble Prime Minister's Top Tips for Exam Warriors

- "It is crucial to instill resilience in our children and help them cope with pressures".
- "The challenges of students must be addressed collectively by parents as well as teachers".
- "Healthy competition augurs well for students' growth".
- "Teachers are not in a job role but they shoulder the responsibility of grooming the lives of students".
- "Parents should not make report cards of their children as their visiting card".
- "The bond between students and teachers must be beyond syllabus and curriculum".
- "Never sow the seeds of competition and rivalry between your children. Rather, siblings should be an inspiration for each other".
- "Strive to be committed and decisive in all the work and study you do".
- "Practice the writing of answers as much as possible. If you have that practice, the majority of exam hall stress will go away".
- "Technology should not become a burden. Use it judiciously".
- "There is nothing like the 'right' time, so do not wait for it. Challenges will keep coming, and you must challenge those challenges".
- "If there are millions of challenges, there are billions of solutions as well".
- "Failures must not cause disappointments. Every mistake is a new learning".
- "The more I enhance the capabilities of my countrymen, my ability to challenge the challenges improves".
- "For proper governance also, there should be a system of perfect information from bottom to top and a system of perfect guidance from top to bottom".
- "I have shut all doors and windows of disappointment in my life".
- "When there is no selfish motive, there is never confusion in decision" .

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan

18, संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110016

18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-110016